दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

शनिवार 11 अक्टूबर 2025
सुर्योदय प्रात: 06:20 बजे
सूर्यास्त सांय 17:56 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 जाति, ईर्ष्या और जीवन: नौकरशाही का स्याह पहलू

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 357 | गाजियाबाद, शनिवार 11 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

कमजोरों को दबाने की राजनीति लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा : खरगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों पर लगातार हमलों से स्पष्ट है कि देश में कमजोर वर्गों को दबाने की राजनीति चल रही है जो लोकतंत्र के लिए घातक है। श्री खरगे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित करते हुए कहा "नरेन्द्र मोदी जी, राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, 2013 से 2023 के बीच दलितों के खिलाफ़ अपराधों में 46 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। आदिवासियों के खिलाफ़ 91 फीसदी अपराध बढ़ें हैं। हरियाणा में आईपीएस अधिकारी से जातिगत भेदभाव, हरिओम वाल्मीकि की प्रताड़ना, मुख्य न्यायाधीश पर हमला और उसको जायज़ ठहराने की भाजपाई सोच और भाजपा शासित राजस्थान के सवाई माधोपुर ज़िले में दलित बुजुर्ग महिला कमला देवी रैगर पर अत्याचार...ये सभी ताज़ा घटनाएँ सिर्फ़ अलग-अलग वारदातें नहीं हैं, बल्कि आरएसएस–भाजपा की सामंतवादी सोच का खतरनाक प्रदर्शन है।"

मोदी पूसा में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की 42 हजार करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन- शिलान्यास

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। नरेंद्र मोदी शनिवार को यहां भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा) में एक विशेष कृषि कार्यक्रम में भाग लेंगे जहां वह कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में 42,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं और योजनाओं का शुभारंभ, उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को यहा बताया कि प्रधानमंत्री इस अवसर पर किसानों के साथ बातचीत करेंगे और उसके बाद एक सार्वजनिक कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम किसान कल्याण, कृषि आत्मनिर्भरता और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मज़बूत करने की प्रधानमंत्री की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह आधुनिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने, किसानों का समर्थन करने और किसान-केंद्रित पहलों में महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर केंद्रित होगा।

अमेरिका के नये राजदूत गोर भारत यात्रा पर, द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा

✷ वेबवार्ता. नई दिल्ली ✷। भारत में अमेरिका के राजदूत नियुक्त सर्जियो गोर और प्रबंधन एवं संसाधन मामलों के अमेरिकी डिप्टी सेक्रेटरी माइकल जे. रिगास भारतीय अधिकारियों के साथ विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा के लिए इन दिनों भारत दौरे पर हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के एक बयान के अनुसार दोनों अधिकारी 9 से 14 अक्टूबर तक भारत यात्रा पर हैं। बयान में कहा, ' राजदूत गोर और डिप्टी सेक्रेटरी रिगास भारत सरकार के अपने समकक्षों के साथ मिलकर विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।' बयान के अनुसार 'अमेरिका अपनी रणनीतिक साझेदारी को मज़बूत करने तथा एक सुरक्षित, मज़बूत और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ काम करना जारी रखेगा।'

बिहार के लिए कांग्रेस ने तय किये 13 प्रत्याशियों के नाम घोषित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। बिहार चुनाव के लिए पहले चरण के नामांकन आज से शुरु हो गए है। लेकिन अभी तक जन सुराज को छोड़कर किसी भी दल ने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं है। एनडीए के साथ साथ महागठबंधन में भी सीट शेयरिंग को लेकर माथा पच्ची जारी है। इसी बीच गठबंधन के अहम सहयोगी दल कांग्रेस की पहली लिस्ट तैयार हो गई है। सूत्रों की मानें तो 13 उम्मीदवारों के नाम फाइनल है, बस ऐलान बाकी है। इस बीच कांग्रेस ने राजद को अल्टीमेटम दे दिया है कि सीटों का बंटवारा जल्द करें। अगर ऐसा नहीं हुआ तो कांग्रेस पहले चरण वाले इलाकों में अपने दावों वाली सीटों पर नामांकन शुरू कर देगी।

केंद्र, राज्य ने पटाखों पर प्रतिबंध हटाने का अनुरोध

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को केंद्र और एनसीआर राज्यों ने पटाखों पर प्रतिबंध हटाने का अनुरोध किया है। अदालत से कहा गया कि बच्चों को दिवाली और अन्य त्योहारों पर बिना किसी समय सीमा प्रतिबंध के पटाखे चलाने की इजाजत दी जानी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 'हरित पटाखों के निर्माण और बिक्री की अनुमति देने के अनुरोध संबंधी याचिकाओं पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया।

प्रतिबंध में ढील देने का संकेत देते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इसमें सभी पक्षों के हितों के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पूर्ण प्रतिबंध न तो व्यावहारिक है और न ही आदर्श। उन्होंने कहा कि पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद पटाखों का इस्तेमाल जारी है। सख्त आदेश समस्याएं पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि अदालत एक संतुलित समाधान चाहता है, जिससे पर्यावरण और आजीविका दोनों के हितों की रक्षा हो सके।

आदेश सुरक्षित रखने से पहले पीठ ने केंद्र, दिल्ली सरकार और एनसीआर राज्यों, पटाखा निर्माताओं, पर्यावरणविदों और न्यायमित्र समेत विभिन्न हितधारकों की व्यापक दलीलें सुनीं। एनसीआर में दिल्ली के साथ उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के कई जिले आते हैं। आपके (जज के) अंदर के बच्चे से अनुरोध कर रहा हूं... केंद्र और एनसीआर राज्यों की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रतिबंध हटाने का अनुरोध किया। सॉलिसिटर जनरल ने आग्रह किया कि बच्चों को दो दिन जश्न मनाने दीजिए।

यह सिर्फ दिवाली, गुरुपर्व और क्रिसमस जैसे त्योहारों के लिए है। उन्होंने अनुरोध किया कि मेरे भीतर का बच्चा आपके (जज) के भीतर बैठे बच्चे को मनाने की कोशिश कर रहा है और कुछ दिनों के लिए कोई प्रतिबंध नहीं होना चाहिए। क्या पूर्ण प्रतिबंध के बाद वायु गुणवत्ता सुधरी? मुख्य न्यायाधीश ने पूछा कि क्या 2018 के बाद से वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार हुआ है या यह खराब हुआ है? क्या तब प्रदूषण अब की तुलना में बहुत कम था?

सॉलिसिटर जनरल ने जवाब दिया कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के आंकड़ों के अनुसार, प्रदूषण का श्तर 'लगभग समान ही रहा है, सिवाय कोविड-19 लॉकडाउन अवधि के दौरान, जब औद्योगिक और वाहन गतिविधियां रुकी हुई थी।

सॉलिसिटर जनरल ने पीठ को संतुलित समाधान निकाले जाने वाले सुझाव दिए। 1- राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (नीरी) द्वारा प्रमाणित हरित पटाखों का निर्माण/बिक्री हो। 2- दिवाली, गुरुपर्व, क्रिसमस और नये साल की पूर्व संध्या जैसे मौकों पर हरित पटाखों के इश्तेमाल की अनुमति दी जाए। इसके लिए कोई समय सीमा नहीं होनी चाहिए। 3- केवल नीरी और पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन द्वारा प्रमाणित पटाखों का ही निर्माण/बिक्री हो।

सौ करोड़ की साइबर धोखाधड़ी में 4 गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कई साइबर अपराध मामलों में धन शोधन की जांच के तहत गुजरात में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया।

इन पर लोगों से कथित तौर पर 100 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने का आरोप है। ईडी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि एजेंसी के सूरत उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने पीएमएलए के प्रावधानों के तहत मकबूल अब्दुल रहमान 'डॉक्टर, काशिफ मकबूल 'डॉक्टर, महेश मफतलाल देसाई और ओम राजेंद्र पांड्या को हिरासत में लिया है। आरोप है कि मकबूल, उसके बेटे काशिफ और बासम मकबूल 'डॉक्टर, देसाई, पांड्या और कुछ अन्य लोगों ने डिजिटल गिरफ्तारी, विदेशी मुद्रा व्यापार, ईडी जैसी कानून प्रवर्तन एजेंसियों और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के नाम पर फर्जी नोटिस भेजकर निर्दोष व्यक्तियों को धमकाने जैसे विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के माध्यम से भोले-भाले लोगों को 'धोखा दिया।

कांग्रेस ने मोदी की कूटनीतिक व्यस्तता - मंशा पर उठाये सवाल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हालिया कूटनीतिक प्रयासों और प्रतिबद्धताओं पर सवाल उठाते हुये कहा है कि वह सिर्फ विदेशी नेताओं की प्रशंसा और सराहना में ही व्यश्त हैं।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कल पूरा दिन ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से बातचीत में और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशंसा तथा सराहना के संदेश भेजने में बिताया। स्वाभाविक रूप से वो इस दौरान इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात करना नहीं भूले, जिन्हें गाज़ा में नरसंहार के लिए ज़िम्मेदार माना जाता है।"

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने संबंधी याचिका पर जवाब के लिए

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिया चार सप्ताह का समय

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग वाली याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के लिए केंद्र सरकार को शुक्रवार को और चार सप्ताह का समय दिया। शीर्ष अदालत ने सबसे पहले 14 अगश्त को केंद्र से इस मामले में याचिका पर जवाब देने को कहा था। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद केंद्र सरकार को अतिरिक्त समय देने का फैसला किया।

पीठ ने कहा कि सभी पहलुओं पर विचार करते हुए निर्णय लिया जाना है और केंद्र इस पर विचार-विमर्श कर रहा है। पीठ ने पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए कहा, 'सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद निर्णय लिया जाना है...देखिए पहलगाम में क्या हुआ।'

उल्लेखनीय है कि पाकिश्तान समर्थित आतंकवादियों के एक समूह ने 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में 26 पर्यटकों की उनके धर्म के बारे में पूछकर हत्या कर दी थी। इस दिल दहलाने वाली घटना के बाद पाकिश्तान में आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत अभियान चलाया गया था।

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुये और एक निर्वाचित सरकार बनी। उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्षों में जम्मू-कश्मीर में उल्लेखनीय प्रगति हुयी है।

उन्होंने दलील दी कि हाल के दिनों में पहलगाम हमले सहित कुछ घटनाएँ हुई हैं और राज्य का दर्जा बहाल करने पर अंतिम निर्णय लेने से पहले इन सभी घटनाओं पर विचार करना होगा।

श्री मेहता ने याचिकाओं पर जवाब देने के लिए और समय माँगा। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ताओं की दलीलों पर जवाब देने के लिए केंद्र को चार सप्ताह का समय दिया।

याचिकाकर्ताओं के वकील ने दलील दी कि शीर्ष अदालत के आदेश में यह उल्लेख किया गया है कि चुनावों के बाद राज्य का दर्जा वापस कर दिया जाएगा। यह भी दलील दी गई कि जम्मू-कश्मीर मंत्रिमंडल ने उपराज्यपाल द्वारा राज्य का दर्जा बहाल करने के मामले को केंद्र के समक्ष रखने के लिए एक प्रश्ताव पारित किया है।

अफगानिस्तान की जमीन का किसी और के खिलाफ इस्तेमाल नहीं होने देंगे : मुत्ताकी का आश्वासन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

अफगानिश्तान ने आज भारत को स्पष्ट आश्वासन दिया कि वह अपनी ज़मीन का इश्तेमाल किसी और देश के ख़िलाफ़ नहीं होने देगा।

भारत यात्रा पर आये अफगानिश्तान के विदेश मंत्री आमिर ख़ान मुत्ताकी ने शुक्रवार को यहां विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर के साथ अपनी मुलाक़ात के दौरान यह आश्वासन दिया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा,' हम किसी को भी अफ़ग़ानिश्तान की ज़मीन का इश्तेमाल किसी और के ख़िलाफ़ नहीं करने देंगे।'

श्री मुत्ताकी ने कहा कि अफ़ग़ानिश्तान भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मज़बूत करने के लिए एक परामर्श तंत्र बनाने के लिए तैयार है।

विदेश मंत्री मुत्ताकी ने याद दिलाया,' अफ़ग़ानिश्तान पर अमेरिकी कब्ज़े के दौरान कई उतार-चढ़ाव आए' लेकिन तालिबान ने कभी भारत के ख़िलाफ़ कोई बयान नहीं दिया बल्कि भारत के साथ उसके अच्छे संबंध रहे' आईएसआईएस को क्षेत्र के लिए ख़तरा बताते हुए श्री मुत्ताकी ने कहा कि अफगान तालिबान, अफ़ग़ानिश्तान से इस्लामिक स्टेट-खुरासान प्रांत नामके आतंकवादी संगठन को ख़त्म करने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को मिलकर आतंकवाद के ख़तरे का मुक़ाबला करना होगा। उन्होंने पिछले महीने कुनार प्रांत में आए भूकंप के दौरान सबसे पहले मदद करने सहित भारत की सभी तरह की मदद के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि अफगानिश्तान की तालिबान सरकार भारत के साथ आपसी सम्मान और लोगों के आपसी संबंधों पर आधारित संबंध चाहती है।

इसी वर्ष जनवरी में दुबई में विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ अपनी मुलाक़ात को याद करते हुए उन्होंने कहा कि यह उनके उच्च-श्तरीय संवाद की एक अच्छी शुरुआत थी। उन्होंने कहा कि वह विदेश मंत्री जयशंकर से दो बार फ़ोन पर बात कर चुके हैं।

उन्होंने कहा, ''मुझे आज दिल्ली आकर खुशी हो रही है और इस यात्रा से दोनों देशों के बीच आपसी समझ मज़बूत होगी।' उन्होंने दोनों देशों के बीच आधिकारिक श्तर सहित आपसी समझ और आदान-प्रदान में वृद्धि की आशा व्यक्त की।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने संबंधी याचिका पर जवाब के लिए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिया चार सप्ताह का समय

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग वाली याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के लिए केंद्र सरकार को शुक्रवार को और चार सप्ताह का समय दिया। शीर्ष अदालत ने सबसे पहले 14 अगश्त को केंद्र से इस मामले में याचिका पर जवाब देने को कहा था।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद केंद्र सरकार को अतिरिक्त समय देने का फैसला किया।

पीठ ने कहा कि सभी पहलुओं पर विचार करते हुए निर्णय लिया जाना है और केंद्र इस पर विचार-विमर्श कर रहा है।

पीठ ने पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए कहा, 'सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद निर्णय लिया जाना है...देखिए पहलगाम में क्या हुआ।'

उल्लेखनीय है कि पाकिश्तान समर्थित आतंकवादियों के एक समूह ने 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में 26 पर्यटकों की उनके धर्म के बारे में पूछकर हत्या कर दी थी। इस दिल दहलाने वाली घटना के बाद पाकिश्तान में आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत अभियान चलाया गया था।

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुये और एक निर्वाचित सरकार बनी। उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्षों में जम्मू-कश्मीर में उल्लेखनीय प्रगति हुयी है।

उन्होंने दलील दी कि हाल के दिनों में पहलगाम हमले सहित कुछ घटनाएँ हुई हैं और राज्य का दर्जा बहाल करने पर अंतिम निर्णय लेने से पहले इन सभी घटनाओं पर विचार करना होगा।

श्री मेहता ने याचिकाओं पर जवाब देने के लिए और समय माँगा। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ताओं की दलीलों पर जवाब देने के लिए केंद्र को चार सप्ताह का समय दिया।

याचिकाकर्ताओं के वकील ने दलील दी कि शीर्ष अदालत के आदेश में यह उल्लेख किया गया है कि चुनावों के बाद राज्य का दर्जा वापस कर दिया जाएगा। यह भी दलील दी गई कि जम्मू-कश्मीर मंत्रिमंडल ने उपराज्यपाल द्वारा राज्य का दर्जा बहाल करने के मामले को केंद्र के समक्ष रखने के लिए एक प्रश्ताव पारित किया है।

अमेरिका ने किया स्पष्ट, पाकिस्तान को नहीं देगा नई उन्नत मिसाइलें

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

अमेरिका ने पाकिस्तान को नई मध्यम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली उन्नत मिसाइलें देने संबंधी खबरों का सख्त खंडन किया है।

भारत में स्थित अमेरिकी दूतावास ने शुक्रवार को जारी अपने आधिकारिक स्पष्टीकरण में कहा कि अमेरिका की ऐसी कोई योजना नहीं है कि वह पाकिश्तान को नई या उन्नत मिसाइलें उपलब्ध कराए।

दूतावास ने स्पष्ट किया कि 30 सितम्बर 2025 को जिस रक्षा अनुबंध का उल्लेख मीडिया रिपोर्टों में किया गया है, वह केवल रखरखाव और पुर्जों से संबंधित है, न कि किसी प्रकार की मिसाइल आपूर्ति से।

दूतावास के अनुसार, "30 सितम्बर 2025 को युद्ध विभाग द्वारा जारी मानक अनुबंध घोषणाओं की सूची में पाकिश्तान सहित कई देशों के लिए मौजूदा विदेशी सैन्य बिक्री अनुबंध में रखरखाव और पुर्जों से संबंधित संशोधन का उल्लेख किया गया था। इस अनुबंध में कहीं भी पाकिश्तान को नई उन्नत मध्यम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें (एएमआरएएएम) देने की बात नहीं की गई है।" बयान में आगे कहा गया, "इस संशोधन में पाकिश्तान की किसी मौजूदा क्षमता के उन्नयन का भी कोई प्रावधान नहीं है। युद्ध विभाग ने इस विषय पर उत्पन्न हुई गलतफहमी को दूर कर दिया है।"

यह स्पष्टीकरण ऐसे समय पर आया है जब हाल के दिनों में कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि अमेरिका और पाकिश्तान के बीच संबंधों में सुधार के संकेतों के बीच, अमेरिका इस्लामाबाद को एआईएम-120 एडवांस्ड मीडियम रेंज एयर-टू-एयर मिसाइलें (एएमआरएएएम) देने पर विचार कर रहा है। इन रिपोर्टों में यह भी कहा गया था कि अमेरिकी रक्षा विभाग द्वारा अधिसूचित एक हथियार अनुबंध में 35 देशों के खरीदारों की सूची में पाकिश्तान का नाम भी शामिल किया गया है।

पश्चिम बंगाल नगरपालिका भर्ती घोटाला : मंत्री के ठिकानों सहित 11 स्थानों पर ईडी की छापेमारी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

पश्चिम बंगाल में कथित नगरपालिका भर्ती घोटाले की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को राज्यभर में 11 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

यह कार्रवाई राज्य के अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा मंत्री तथा तृणमूल कांग्रेस के विधायक सुजीत बोस से जुड़े परिसरों सहित कई जगहों पर जारी है। ईडी सूत्रों के अनुसार, तलाशी अभियान कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में चलाया जा रहा है। जिन परिसरों पर छापे मारे गए हैं, उनमें सुजीत बोस का सरकारी और निजी कार्यालय, उनसे जुड़ी कंपनियों के दफ्तर और उनके निकट सहयोगियों के घर शामिल हैं।

यह मामला उस नगरपालिका भर्ती घोटाले से संबंधित है, जिसकी जांच सीबीआई की एफआईआर के आधार पर शुरू की गई थी। कोलकाता हाईकोर्ट के निर्देश पर दर्ज इस एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि राज्य में भर्ती घोटाला केवल शिक्षकों की नियुक्तियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विभिन्न नगरपालिकाओं में हुयी अवैध नियुक्तियों तक फैला हुआ है। गौरतलब है कि इससे पहले भी ईडी ने इस मामले में मंत्री सुजीत बोस और राज्य के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री रथिन घोष के आवासीय परिसरों पर तलाशी ली थी।

सीजीएचएस के अतिरिक्त निदेशक सहित तीन के खिलाफ चार्जशीट पेश, 50 लाख की रिश्वत मांगने का था आरोप

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मेरठ स्थित केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) कार्यालय में रिश्वतखोरी के मामले में सीबीआइ ने जांच पूरी करते हुए अतिरिक्त निदेशक डॉ. अजय कुमार, कार्यालय अधीक्षक लवेश सोलंकी और निजी व्यक्ति रईस अहमद के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। जांच एजेंसी ने 12 अगश्त को ही तीनों आरोपितों को गिरफ्तार किया था। सीबीआइ के अनुसार 12 अगश्त को मेरठ के एक निजी अस्पताल समूह की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप था कि डाक्टर अजय कुमार और लवेश सोलंकी ने अस्पतालों को सीजीएचएस की मान्यता सूची से नहीं हटाने के बदले 50 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत की जांच के बाद सीबीआइ ने 12 अगश्त को जाल बिछाकर तीनों आरोपितों को उस समय दबोच लिया जब वह रिश्वत की पहली किश्त के रूप में पांच लाख रुपए ले रहे थे। यह रकम 50 लाख रुपये की कुल मांग का हिस्सा थी। इसके बाद सीबीआइ ने आरोपितों के आवासों पर छापेमारी की। डॉक्टर अजय कुमार के घर से 29.50 लाख रुपये नकद और कई आपत्तिजनक दश्तावेज बरामद किए गए। जांच में मौखिक, दश्तावेजी और डिजिटल साक्ष्य मिले हैं, जिनसे जांच एजेंसी को पता चला कि आरोपितों ने आपराधिक साजिश रचकर रिश्वत की मांग की और अवैध लाभ प्राप्त करने की कोशिश की। सीबीआइ ने जांच पूरी कर रिपोर्ट अदालत में पेश करते हुए तीनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मुकदमा चलाने की मांग की है।

दहेज हत्या के मामले में पति दोषी करार, 10 साल कैद की सजा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। ट्रोनिका सिटी थानाक्षेत्र में दिसंबर 2023 में विवाहिता की मौत मामले में पति को दोषी ठहराते हुए 10 साल कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोषी ठहराए गए पति पर चार हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। साक्ष्य के अभाव में मृतका की सास और ससुर को दोषमुक्त करार दिया है। कोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार एक महिला ने 24 दिसंबर 2023 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें उसने बताया कि उसकी बेटी जेबा की शादी सारिक नाम के युवक से वर्ष 2018 में हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि शादी के कुछ समय बाद उनकी बेटी को अतिरिक्त दहेज लाने के लिए उसका पति प्रताड़ित करता था। उसका पति उसे मायके नहीं भेजता था। वह जेबा से कार और फ्लैट की मांग करता था। 22 दिसंबर को शारिक के भाई ने फोन कर उन्हें बताया कि उनकी बेटी जेबा छत से गिर गई है और अस्पताल में भर्ती है। अस्पताल में इलाज के दौरान जेबा ने दम तोड़ दिया था। मृतका की मां ने दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाते हुए पति, सास और ससुर के खिलाफ केस दर्ज कराया था। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर आरोपितों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। इस मामले में एडीजे-4 न्यायाधीश शिव कुमार तिवारी की कोर्ट ने पेश साक्ष्य और गवाहों के बयान के आधार पर पति शारिक को दोषी ठहराते हुए 10 साल कैद की सजा सुनाई तथा सास जायदा खातून और ससुर नसीम को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

दिवाली से पहले चमकेगा गुरुग्राम, चल रही तैयारियां

कूड़ा घरों के व्यवस्थित होने से शहर साफ-सुथरा दिखेगा

गुरुग्राम, एजेंसी। त्योहारों के मौसम को देखते हुए गुरुग्राम नगर निगम ने शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर कमर कस ली है। दीवाली से पहले चार हजार कर्मचारी शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए एक विशेष अभियान में जुटेंगे। निगम की योजना के तहत पूरे शहर की सड़कों और प्रमुख कूड़ा घरों से गंदगी को पूरी तरह समाप्त किया जाएगा। सफाई कर्मचारी मुख्य सड़कों के किनारे जमी मिट्टी और पुरानी गंदगी को हटाएंगे। इससे सड़कों पर धूल का स्तर कम होगा और हवा की गुणवत्ता में सुधार आएगा। सभी कूड़ा घरों को चारों तरफ से कवर किया जा रहा है। पुराने गुरुग्राम में अभी भी लगभग सौ फीसदी घरों से कूड़ा एकत्रित नहीं हो पा रहा है। निगम ने ऐसे में पुराने गुरुग्राम के छूटे हुए क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने पर जोर दिया है। गुरुग्राम के निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि दीवाली से पहले शहर को साफ करने का लक्ष्य रखा है। निगम के सभी सफाई कर्मचारी और एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि वह दीवाली से पहले शहर की गलियों और सड़कों को पूरी तरह से साफ कर दें। सफाई में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लोगों से भी अपील है कि वह इधर-उधर कूड़ा नहीं फेंके। सड़कों और गलियों की पूरी तरह सफाई होने से लोग स्वच्छ वातावरण में त्योहार मना सकेंगे। कूड़ा घरों के ढके जाने और नियमित सफाई से मच्छरों और मक्खियों का प्रकोप कम होगा। रोड के किनारे की मिट्टी हटने से प्रदूषण का स्तर घटेगा। शहर को निर्माण और विध्वंस (सीएंडडी) मलबे से पूरी तरह मुक्त करने के लिए नगर निगम की इंजीनियरिंग विंग ने इस कार्य के लिए तीन एजेंसियों को लगाया है।

अखिलेश यादव से योगी के मंत्री ने किए सवाल. पूछा- कांशीराम का पहले अपमान किया

लखनऊ, एजेंसी। योगी सरकार में समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उन्होंने मान्यवर कांशीराम के नाम पर बने जिलों, मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों से उनका नाम काटने का काम किया। लखनऊ के भाषा विश्वविद्यालय और सहारनपुर के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जब उनके पास गलती से मुख्यमंत्री की कलम आई थी, तब भी उन्होंने केवल अपमान करने का काम किया। मंत्री असीम अरुण ने अखिलेश यादव से सवाल किया कि उन्हें आज क्यों बाबा साहब और मान्यवर कांशीराम की याद आ रही है, जबकि उन्होंने पूर्व में उनके अपमान में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता इस छल-कपट को समझ चुकी है और समाज के सशक्त निर्माण के लिए आज वास्तविक काम ही महत्व रखता है। असीम अरुण ने कहा कि आज मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि है और इस अवसर पर वे उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि कांशीराम ने जो सामाजिक न्याय की नींव रखी थी, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बहन मायावती का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने स्मारकों के रखरखाव और अच्छे कार्यक्रम सुनिश्चित करने के लिए मोदी और योगी की तारीफ की। कहा कि आज जब अनुसूचित जाति और पिछड़े समाज ने आपको हाशिए पर ला दिया है तब आपको उनकी याद आ रही है। आज आपसे पूरा प्रदेश और देश सवाल कर रहा है कि आप बताएं कि आपने मान्यवर कांशीराम का अपमान क्यों किया था। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के हर एक कार्यकर्ता ने जमीन पर उतरकर हर वर्ग के लिए काम किया, विशेषकर अनुसूचित जाति समुदाय के लिए।

डीएम का बड़ा ऐक्शन, 35 लापरवाह अफसरों की सैलरी पर लगाई रोक

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद जिले में जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले 35 अधिकारियों पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समय से निस्तारण न करने और फीडबैक न देने के चलते 35 अधिकारियों के वेतन आहरण पर रोक लगा दी गई है। प्रशासन के अनुसार, आईजीआरएस पोर्टल पर आम नागरिकों की शिकायतों का समाधान शासन स्तर से मॉनिटर किया जाता है। इसके बावजूद कई विभागों के अधिकारी शिकायतों को अनसुना करते रहे, जिससे जिले की रैंकिंग प्रभावित होती है। हालांकि अगस्त में जिले की रैंक 69 थी, जो सितंबर में सुधार होकर 54 पर पहुंची है। समीक्षा के दौरान सामने आया है कि 35 विभागाओं के अधिकारियों के पोर्टल पर जन शिकायतों की निस्तारण फीडबैक जीरो है।

दिल्ली से लौट रहे यूपी के दो किसान पुत्रों की सड़क हादसे में मौत

पिकअप ने मारी टक्कर

बागपत, एजेंसी। यूपी के बागपत में एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। नेशनल हाइवे 334 बी पर हरियाणा के सोनीपत जनपद में पलड़ी कलां और खेवड़ा की बीच सड़क हादसे में दोझा गांव के दो किसान के बेटों की मौत हो गई। इससे दोनों परिवार वालों का रोते रोते बुरा हाल हो गया। एक साथ दो मौत हो जाने से गांव में शोक छा गया।

दोझा गांव से कुछ किसान गुरुवार को एक पिकअप गाड़ी में सब्जी भिंडी लेकर आजदपुर मंडी में बेचने के लिए जा रहे थे। नेशनल हाइवे 334 बी पर पलड़ी कलां और खेवड़ा की बीच में पिकअप गांडी में पेंचर हो गया। चालक ने पेंचर लगवाने के लिए गाड़ी सड़क किनारे साईड मे खड़ी की थी तो दौरान उसी पीछे से एक कैंटर गांडी ने पिकअप गाड़ी में टक्कर मार दी।

बताया जा रहा है कि टक्कर से गाड़ी में बैठे शाकिब पुत्र शाकिर उम्र 21 वर्ष और अक्षय पुत्र रामपाल कश्यप उम्र 16 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गयी। इस दौरान गाड़ी में सवार कई किसान भी घयाल हुये हैं। जिन्हें सोनीपत अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। गांव में शाकिब की मौत से पिता शाबिर, मां मुन्नी, बहन रिजवाना और अक्षय की मौत पर मां संतोष, भाई सोनू, अमित बहन समित और सोनम सहित परिवार के लोगों का रोते बुरा हाल था।

जोधपुर में हुए प्यार का दिल्ली में अंत; आशिक ने की गर्लफ्रेंड की हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कोटला मुबारकपुर स्थित किराये के मकान में युवती की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। इस मामले में 8 अक्टूबर को युवती के प्रेमी को हरियाणा के हांसी से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी हिमांशु ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि उसने युवती के मोबाइल में उसकी एक अन्य युवक के साथ फोटो देख ली थी। इसके बाद उसने गुस्से में प्रेमिका को चाकू से गोद डाला।

डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि कोटला मुबारकपुर थाना पुलिस को 7 अक्टूबर की शाम प्रताप गली, नानक चंद बस्ती स्थित एक घर की सीढ़ियों पर खून फैले होने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची और इमारत की पहली मंजिल पर बने कमरे का दरवाजा खोला, तो वहां 25 वर्षीय युवती खून से लथपथ पड़ी थी। उसके चेहरे, गर्दन और कंधे पर चाकू से वार के गंभीर घाव थे। पुलिस ने युवती को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि युवती का नाम साक्षी गुरुंग है। वह किराये के मकान में अकेली रहती थी। उसके माता-पिता की मौत हो चुकी है।

हत्याकांड के खुलासे के लिए एसीपी ऑपरेशन अरविंद कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो आरोपी हरियाणा जाने के साथ उसकी पहचान हो गई। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसकी और साक्षी की मुलाकात करीब चार महीने पहले राजस्थान के जोधपुर में हुई थी। दोनों में पहले दोस्ती हुई, जो बाद में मोहब्बत में बदल गई। आरोपी ने बताया कि साक्षी का पहले भी किसी युवक से प्रेम संबंध था। हिमांशु इसे लेकर आशंकित रहता था। इसे लेकर दोनों के बीच कई बार झगड़ा भी हुआ था। हिमांशु 5 अक्टूबर को साक्षी से मिलने कोटला मुबारकपुर आया था। 7 अक्टूबर को हिमांशु ने साक्षी के मोबाइल में उसकी दूसरे युवक के साथ फोटो देखी। इसे लेकर दोनों में झगड़ा हो गया। इस दौरान हिमांशु ने चाकू उठाया और साक्षी पर हमला कर दिया। जांच में सामने आया कि 25 वर्षीय हिमांशु ढाणा खुर्द का रहने वाला है और दसवीं कक्षा में फेल होने के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। आरोपी पर 14 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह हरियाणा की गैंगस्टर जीवनशैली से प्रभावित था। वह कई गैंगस्टरों को ऑनलाइन फॉलो करता है। उनके पोस्ट भी शेयर करता था

सीएम विष्णुदेव का ऐलान- छत्तीसगढ़ में गाय को मिलेगा 'राज्य माता' का दर्जा

रायपुर, एजेंसी। महाराष्ट्र के बाद अब छत्तीसगढ़ में भी गौ माता को 'राज्य माता' का दर्जा मिल जाएगा। कैबिनेट में चर्चा कर इसके लिए जो भी प्रक्रिया है, उसे पूरा कर जल्द ही इस संबंध में घोषणा की जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसकी घोषणा की है। महाराष्ट्र के बाद गो माता को राज्य माता का दर्जा देने वाला छत्तीसगढ़ दूसरा राज्य होगा। महाराष्ट्र सरकार ने सितंबर-2024 में देशी गायों को राज्यमाता-गौमाता घोषित किया है। विष्णुदेव साय की इस घोषणा के साथ ही धार्मिक और हिन्दू संगठनों ने इसे एक अच्छी और बड़ी पहल बताया है। दरअसल, रायपुर के गुढ़ियारी में समाजसेवी बसंत अग्रवाल द्वारा आयोजित हनुमात कथा महोत्सव में बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र शास्त्री की कथा हुई। इस कथा के आखिरी दिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उनकी पत्नी कौशिल्या साय के साथ कई मंत्री पहुंचे। धीरेंद्र शास्त्री ने राज्य में गौ माता को राज्य माता का दर्जा देने का आग्रह किया। इस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पिछले दिनों बाबा बागेश्वर ने कहा था कि तहसील स्तर पर गोठान बना दिया जाए। हमने गायों के संरक्षण के लिए गोधाम शुरू कर दिया है। सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद समाप्ति की ओर है। अब उसकी कमर टूट गई है और वह अंतिम सांसे ले रहा है। यह प्रभु श्रीराम, हनुमानजी और बागेश्वर बाबा के आशीर्वाद से ही संभव हो पा रहा है। साय ने कहा कि मैं बाबा बागेश्वर को भरोसा दिलाता हूं कि जिस प्रकार से महाराष्ट्र में गाय को गौमाता का दर्जा दिया गया है, उसी प्रकार छत्तीसगढ़ में भी जल्द ही गाय को गौमाता का दर्जा देंगे।

छात्राओं से टॉयलेट साफ कराने की आरोपी कस्तूरबा विद्यालय की वार्डन बर्खास्त, डीएम का ऐक्शन

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में छात्राओं के आरोप और जांच में पुष्टि के बाद मोहनलालगंज खुजौली स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की वार्डन बर्खास्त कर दी गई हैं। छात्राओं से टॉयलेट साफ कराने की आरोपी वार्डन डीएम ने ऐक्शन लिया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जिलाधिकारी के समक्ष बर्खास्तगी का प्रस्ताव रखा जिसे मंजूरी दे दी गई है। डीएम विशाख जी के अनुसार विद्यालय में दूसरे विद्यालयों से शिक्षिकाओं और वार्डन की तैनाती को भी मंजूरी दे दी गई है। खुजौली स्थित अपर प्राइमरी स्कूल की दो शिक्षिकाओं को तत्काल प्रभाव से केजीबीवी में पद संभालने का निर्देश दिया गया है।

बीएसए राम प्रवेश ने गुरुवार को वार्डन की बर्खास्तगी की फाइल डीएम के सामने पेश की। इसके पूर्व वार्डन सुधा यादव ने बीएसए के समक्ष अपना पक्ष लिखित तौर पर रखा था। बीएसए ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वार्डन सुधा यादव की ओर से अपनी सफाई में कहे गए बिंदु संतोषजनक नहीं पाए गए। दूसरी ओर डीएम ने अपर जिलाधिकारी नागरिक आपूर्ति ज्योति गौतम की अध्यक्षता में अपर नगर मजिस्ट्रेट शिप्रा पाल, एआर कोऑपरेटिव वैशाली सिंह की कमेटी बनाई थी।

इस कमेटी ने भी 43 छात्राओं के बयान और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर छात्राओं के आरोपों को रिपोर्ट में सही बताया था। इन सभी तथ्यों को देखते हुए वार्डन को बर्खास्त कर दिया गया। वार्डन सुधा यादव पर बर्खास्तगी की तलवार तब लटकी, जब 4 अक्टूबर को मोहनलालगंज तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस पर कई छात्राएं और उनके अभिभावक सीधे जिलाधिकारी के सामने शिकायत लेकर पहुंचे। छात्राओं ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर उत्पीड़न और अमानवीय व्यवहार की शिकायत की। छात्राओं ने कहा कि वार्डन उनसे टॉयलेट साफ करवाती थीं। हॉस्टल और स्कूल परिसर में झाड़ू-पोंछा लगाने जैसे कार्य लिए जाते थे। मना करने पर वार्डन बुरी तरह पीटती थीं, किसी को बताने की सूरत में विद्यालय से निकाल देने की धमकी देती थीं। इस मामले में जिलाधिकारी के निर्देश पर, खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) ने मोहनलालगंज में वार्डन सुधा यादव के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई है।

हरनंदीपुरम विवाद में अटके गाजियाबाद के नए सर्किल रेट, आखिर क्यों और कहां फंसा पेच?

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद जिले में लंबे समय से नए सर्किल रेट लागू होने में देरी हो रही है। प्रशासन ने इसे अक्टूबर माह में लागू करने की योजना बनाई थी, लेकिन हरनंदीपुरम क्षेत्र से जुड़ी आपत्ति के कारण प्रक्रिया फिलहाल अटकी हुई है। राजस्व विभाग के अनुसार, जिले के सभी तहसीलों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर सर्किल रेट का पुनरीक्षण तैयार किया गया था। इस प्रक्रिया में जमीन की मौजूदा बाजार दर, आसपास के इलाकों में हो रहे सौदे और विकास कार्यों को प्रमुख आधार बनाया गया। प्रारंभिक सूची जारी होने के बाद नागरिकों, किसानों और प्रॉपर्टी डीलरों से आपत्तियां मांगी गईं। जिलेभर में सर्किल रेट के पुनर्निर्धारण के दौरान कुल 53 आपत्तियां दर्ज की गई थीं, जिनमें से अधिकांश का निस्तारण किया जा चुका है, मगर हरनंदीपुरम प्रकरण अभी भी विचाराधीन है। इसी कारण नए सर्किल रेट की अधिसूचना जारी नहीं हो पा रही है। इस मामले का समाधान होने के बाद ही निर्णय लिया जाएगा। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की ओर से हरनंदीपुरम बसाने के लिए आठ गांवों की जमीन का अधिग्रहण करना है। सर्किल रेट बढ़ाने से पहले ही जीडीए ने जिला प्रशासन को एक पत्र लिखा है। इसमें कहा है कि जिन गांवों की जमीन पर हरनंदीपुरम बसाना है, उनके सर्किल रेट न बढ़ाए जाए। प्रशासन ने इन गांवों को सर्किल रेट नहीं बढ़ाए। किसानों का कहना है कि जब जमीन अधिग्रहण की घोषणा नहीं हुई तो फिर जीडीए ने किस आधार पर सर्किल रेट न बढ़ाने को कहा है।

हिमाचल में टल गए पंचायत चुनाव, दिसंबर-जनवरी में नहीं होंगे; सरकार ने बताई टालने की वजह

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य में होने वाले पंचायत चुनावों को फिलहाल टाल दिया है। सरकार ने यह फैसला इस मॉनसून सीजन में हुई भारी बरसात और प्राकृतिक आपदाओं से राज्य में हुए व्यापक नुकसान के चलते लिया है। इस बारे में एक आदेश जारी करते हुए सरकार ने कहा है कि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव अब तभी कराए जाएंगे, जब प्रदेश में सड़क संपर्क पूरी तरह बहाल हो जाएगा।

मुख्य सचिव-सह राज्य कार्यकारी समिति के अध्यक्ष संजय गुप्ता की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि सड़कें और ग्रामीण संपर्क मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हैं, जिससे मतदान दलों, चुनाव सामग्री और मतदाताओं की सुरक्षा को खतरा है। ऐसे में पंचायत चुनाव सड़कों के पूरी तरह बहाल होने के बाद ही कराए जाएंगे, ताकि किसी मतदाता का मतदान का अधिकार प्रभावित न हो।

मुख्य सचिव संजय गुप्ता ने आदेश में स्पष्ट किया है कि भारी वर्षा और सड़कें क्षतिग्रस्त होने के कारण ग्रामीण इलाकों में आवाजाही गंभीर रूप से प्रभावित है। ऐसे में दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 में होने वाले पंचायत चुनावों में मतदाताओं, चुनावकर्मियों और चुनाव सामग्री की सुरक्षा सुनिश्चित करना कठिन है। उधर मंडी, कांगड़ा, हमीरपुर और शिमला के उपायुक्तों ने भी सरकार से आग्रह किया था कि चुनाव तब तक स्थगित रहें जब तक सड़क संपर्क पूरी तरह बहाल नहीं हो जाते।

जनता अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हो

इन्हीं सब हालातों को देखते हुए राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि राज्य के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क बहाल होने के बाद ही चुनाव कराए जाएंगे, ताकि जनता अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हो। यह आदेश आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 24 (ई) के तहत जारी किया गया है। बता दें कि हिमाचल में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 में प्रस्तावित थे। यह वह समय होता है जब प्रदेश के अधिकांश क्षेत्र बर्फबारी और कड़ाके की ठंड की चपेट में रहते हैं। सरकार ने कहा है कि मतदाताओं और चुनाव कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। वहीं, भाजपा ने सरकार के इस निर्णय को लोकतंत्र पर हमला करार दिया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सुनियोजित तरीके से पंचायत चुनाव स्थगित कर जन विरोधी कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को डर है कि यदि चुनाव हुए तो वह बुरी तरह हार जाएगी। बिंदल ने आरोप लगाया कि पहले डिप्टी कमिश्नरों से पत्र निकलवाया गया और उसके बाद आपदा प्रबंधन का आदेश जारी कर चुनाव टालने का रास्ता बनाया गया। उन्होंने कहा कि यह फैसला साफ दिखाता है कि कांग्रेस लोकतंत्र की सबसे बड़ी प्रक्रिया मतदान को रोकने का काम कर रही है।

बिंदल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र बचाने की बात तो करती है, लेकिन असल में वह लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने में लगी है। भाजपा ने सरकार से मांग की है कि आपदा प्रबंधन के नाम पर लोकतांत्रिक संस्थाओं के चुनावों को न रोका जाए और बहाली कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए ताकि पंचायत चुनाव शीघ्र कराए जा सकें।

उधर राजस्व विभाग के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि वर्ष 2025 का मॉनसून 19 जून से सक्रिय है, जिससे प्रदेश के लगभग सभी जिलों में भारी नुकसान हुआ। जून से अगस्त के बीच धर्मशाला, कुल्लू, मंडी, चंबा और लाहौल-स्पीति में भारी बारिश, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ की घटनाएं हुईं। इस दौरान बादल फटने की 47, फ्लैश फ्लड की 98 और बड़े भूस्खलन की 148 घटनाएं दर्ज की गईं। इन घटनाओं में 270 लोगों की मौत हुई।

ट्रेन से गिरकर छात्र की मौत, रिश्तेदारी से लौटते समय हुआ हादसा

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। स्योहारा इलाके में ट्रेन से गिरकर एक छात्र की मौत हो गई। मृतक की पहचान नहटौर थाना क्षेत्र के गिलाड़ा गांव निवासी 17 वर्षीय अजय शर्मा पुत्र योगेश शर्मा के रूप में हुई है। वह सिवान में अपनी रिश्तेदारी से घर लौट रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया गया कि अजय शर्मा 11वीं कक्षा का छात्र था और उसने हाई स्कूल तक की पढ़ाई की थी। वह अपने दो भाइयों में सबसे बड़ा था। यह हादसा उस समय हुआ जब वह सिवान से ट्रेन में सवार होकर अपने गांव लौट रहा था।घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मचा हुआ है। वहीं गाँव में भी सन्नाटा पसरा हुआ है।

विद्युत आपूर्ति कुछ घंटे के लिए बाधित रहेगी

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷। आज 11.10.2025 को ढक्का करमचनद की विधुत आपूर्ति सुबह 9.00बजे से 2.00बजे तक VCB बदले जाने के कारण बाधित रहेगी। VCB बदले जाने की वजह से उपभोक्ताओं को बिजली नहीं मिल सकेगी ।सभी उपभोक्ता से सहयोग की अपेक्षा की जाती है।

लोकल पैसेंजर ट्रेन से अवैध वेंडर गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। दादरी दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर चोला वैर के बीच बिना वैध प्रमाण-पत्र के यात्रियों को लोकल पैसेंजर ट्रेन में खाद्य सामग्री बेचते हुए आरपीएफ ने एक अवैध वेंडर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रेलवे अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की है। आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर लोकल पैसेंजर ट्रेन संख्या 64151 दिल्ली की तरफ से जा रही थी। जब चोला वैर के मध्य लोकल पैसेंजर ट्रेन पहुंची तो ट्रेन में यात्रियों को बुलंदशहर के अरनिया निवासी इसराइल खाद्य सामग्री बेच रहे थे। आरपीएफ ने ट्रेन में वेंडर से वैध प्रमाण-पत्र मांगा तो वह नहीं दिखा सका। आरपीएफ ने अवैध वेंडर को पकड़ लिया।

मनी ट्रांसफर के नाम पर युवक से पांच हजार की ठगी

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में मनी ट्रांसफर के नाम पर एक दुकानदार के साथ पांच हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित गगन यादव का कहना है कि वह गांव देवला में यादव इंटरप्राइजेज के नाम से मनी ट्रांसफर की दुकान चलाते हैं। रविवार को एक युवक उनकी दुकान पर आया। उसने एसआर कोड के माध्यम से बैंक ऑफ बड़ौदा खाते में 5 हजार रुपये ट्रांसफर करवाया। युवक कमीशन देकर बाकी रकम लेकर चला गया। करीब 30 मिनट बाद गगन के बैंक खाते पर रोक (फ्रीज) लगा दी गई। आसपास के दो अन्य मनी ट्रांसफर संचालकों विकास कपासिया और गोपाल दीक्षित के खातों में भी इसी प्रकार की रोक लग चुकी है। इससे उन्हें शक हुआ कि यह किसी संगठित ऑनलाइन ठगी गिरोह की करतूत है। वहीं सूरजपुर कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मूकबधिर से कुकर्म का आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के निवाड़ी थानाक्षेत्र के 12 वर्षीय मूकबधिर बच्चे से कुकर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी चॉकलेट दिलाने के बहाने बच्चे को अपने साथ ले गया था और कुकर्म किया। विरोध करने पर बच्चे की पिटाई कर दी। हालत बिगड़ने पर बच्चे ने इशारों में परिजनों को आपबीती सुनाई। मूकबधिर विशेषज्ञ को बच्चे ने आरोपी के बारे में जानकारी दी थी, जिसके आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी सागर को गिरफ्तार कर लिया।

अभद्र व्यवहार के विरोध में वकीलों का प्रदर्शन

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से सुनवाई के दौरान वकील द्वारा किए गए अभद्र व्यवहार की गाजियाबाद अधिवक्ताओं ने निंदा की है। उन्होंने आरोपी अधिवक्ता के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। शुक्रवार को अखिल भारतीय डॉ आंबेडकर अधिवक्ता परिषद के बैनर तले अधिवक्ताओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

6.25 करोड़ का माल किया जब्त, तीन गिरफ्तार

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दिवाली के त्योहार से पहले उत्तर प्रदेश की गाजियाबाद पुलिस ने अवैध पटाखों के कारोबार पर कड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये का माल जब्त किया है। थाना भोजपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दिल्ली सोसाइटी क्षेत्र में छापेमारी कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया और करीब 3 लाख 44 हजार किलोग्राम अवैध आतिशबाजी बरामद की। बरामद पटाखों की बाजार मूल्य लगभग 6 करोड़ 25 लाख रुपये आंकी गई है।

सहायक पुलिस आयुक्त (मोदीनगर) अमित सक्सेना ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि थाना भोजपुर क्षेत्र में अवैध आतिशबाजी के भंडारण और विक्रय का धंधा चल रहा है।

इसकी तत्काल जानकारी मिलते ही उपजिलाधिकारी और एसीपी मोदीनगर के नेतृत्व में भोजपुर पुलिस टीम ने छापेमारी की। छापे में गोल्डन ट्रेनिंग एजेंसी के दो बड़े गोदामों से यह सामग्री बरामद हुई, जहां पटाखों का अवैध भंडारण और बिक्री हो रही थी। दोनों गोदामों को सील कर दिया गया है।

छापेमारी के दौरान सौरभ सिंघल निवासी न्यू आलोक, मेरठ रोड, हापुड़, धर्मवीर निवासी अजलोकनगर कॉलोनी, थाना कोतवाली हापुड़ और अमित कुमार, निवासी मोदीनगर रोड, थाना कोतवाली हापुड़ को हिरासत में लिया गया। कुल 3 लाख 44 हजार किलोग्राम पटाखे बरामद हुए, जिनकी अनुमानित कीमत 6 करोड़ 25 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने जब्त पटाखों को सुरक्षित स्थान पर रखा है।

प्रकरण में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। एसीपी सक्सेना ने कहा कि अवैध पटाखों का कारोबार न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए भी खतरा है।

प्रदूषण नियंत्रण और सुरक्षा के मद्देनजर ऐसी छापेमारी आगे भी जारी रहेगी। दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद अवैध व्यापार पर नकेल कसने के लिए पुलिस अलर्ट मोड पर है।

डेढ़ वर्ष से लापता बेटे की तलाश में भटक रहा पिता

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

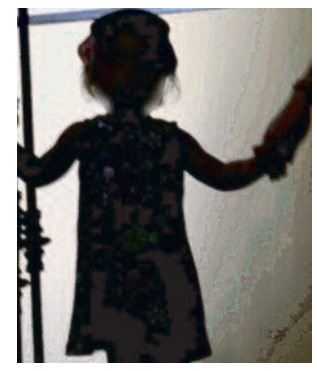

दनकौर के गढ़ी आजमपुर गांव निवासी बीसीए का एक छात्र पिछले करीब डेढ़ वर्ष से संदिग्ध अवस्था में लापता है। पिता का कहना है कि उन्होंने बेटे की गुमशुदगी भी कोतवाली में दर्ज कराई थी, लेकिन अभी तक उसका कोई सुराग नहीं चल पाया है। वह जगह-जगह उसकी तलाश में भटक रहे हैं। बेटे के नहीं मिलने से परिवार के लोग काफी परेशान हैं।

पीड़ित विजय सिंह ने बताया कि उसका 18 वर्षीय बेटा हर्ष उर्फ हनी बीसीए प्रथम वर्ष का छात्र है। जो 24 अप्रैल 2024 के घर से संदिग्ध अवस्था में लापता हो गया था। काफी तलाश के बाद भी उसका सुराग नहीं चल सका तो उन्होंने उसकी 2 दिन बाद कोतवाली में शिकायत देकर गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

पुलिस ने केस तो दर्ज कर लिया, लेकिन उसके बेटे की तलाश नहीं कर सकी है, जिसके चलते पीड़ित परिवार काफी परेशान है। शुक्रवार को भी दनकौर कोतवाली पहुंचकर पुलिस से अपने बेटे को तलाशने की गुहार लगाई है। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह का कहना है कि गायब छात्र की तलाश में पुलिस जुटी हुई है, जल्द सुराग लगा लिया जाएगा।

डिलीवरी से पहले ही ट्रक में लदा फ्लिपकार्ट का माल चोरी

नोएडा में मिला खाली ट्रक, त्योहारी सीजन के लिए दिल्ली से ग्रेटर नोएडा जा रहा था सामान

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

दिल्ली से ग्रेटर नोएडा जा रहा ई कॉमर्स साइट फ्लिपकार्ट का लाखों रुपये का सामान राश्ते में चोरी हो गया। इसके बाद खाली ट्रक नोएडा में ओखला पक्षी विहार के पास मिला और चालक लापता है। इस मामले में ट्रांसपोर्टर की शिकायत पर कोतवाली फेज वन में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस लूट समेत सभी पहलुओं पर मामले की जांच कर रही है।

फरीदाबाद के सेक्टर-21 निवासी मामचंद स्वामी ट्रांसपोर्टर हैं। उनका ट्रक फ्लिपकार्ट के सामान ढुलाई में लगा हुआ है। उनका ट्रक बुलंदशहर खुर्जा के शहबाजपुर दौलत निवासी दीपक कुमार चलाता है।

दीपक बृहस्पतिवार तड़के द्वारका दिल्ली से फ्लिपकार्ट का सामान लेकर ग्रेटर नोएडा के लिए निकला था, लेकिन वह बृहस्पतिवार सुबह करीब 10 बजे तक भी ग्रेटर नोएडा माल लेकर नहीं पहुंचा। तब स्टोर प्रबंधन ने पता लगाना शुरू किया और ट्रांसपोर्टर से भी संपर्क किया।

जब ट्रांसपोर्टर के लोग सक्रिय होकर तलाशना शुरू किया तब खाली ट्रक नोएडा में ओखला पक्षी विहार के पास खड़ा मिला। ट्रक का डिजिटल लॉक टूटा पड़ा था। ट्रक से सारा माल गायब था।

चालक का भी कोई अता पता नहीं था। चालक दीपक का मोबाइल नंबर भी बंद आ रहा था। उन्होंने दीपक और माल को आसपास ढूंढा, लेकिन सामान का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद ट्रांसपोर्टर मामचंद ने फेज वन थाने में शिकायत की। कोतवाली फेज वन के प्रभारी निरीक्षक अमित मान का कहना है कि इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। चालक की तलाश की जा रही है।

होटल में लगी आग, मची अफरा तफरी

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

शहर के थाना साहिबाबाद इलाके के राजेंद्र नगर सेक्टर-2 स्थित एक होटल में शुक्रवार शाम आग लग गई। सूचना पर आनन-फानन में दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। गौतमबुद्ध नगर के मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप चौबे के अनुसार, अग्निशमन विभाग को शाम करीब 7:10 बजे सूचना मिली थी।

विभिन्न स्टेशनों से चार दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं और एक से डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पूरी तरह से काबू पा लिया गया।

इस घटना में किसी के हताहत होने या किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

प्रदीप चौबे ने कहा, 'शाम करीब 7:10 बजे, अग्निशमन विभाग को नियंत्रण कक्ष से सूचना मिली कि राजेंद्र नगर सेक्टर-2 स्थित एक होटल में आग लग गई है। हमने तुरंत कार्रवाई करते हुए विभिन्न स्टेशनों से चार दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर भेजीं... हमने वहां आग बुझाना शुरू किया और करीब एक से डेढ़ घंटे बाद उसे पूरी तरह से बुझा दिया। इस घटना में किसी के हताहत होने या किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है।'

सोशल मीडिया पर महिला के फोटो वायरल किए, केस दर्ज

एनसीआर टुडे. गजियाबाद। लोनी थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाली महिला के फोटो अज्ञात युवक ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। आरोपी ने महिला के फोटो उसके पति के साथी को भेजकर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

लोनी थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाले महिला के फोटो अज्ञात ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर वायरल कर दिए। जिस पर महिला की आईडी पर गंदे और अभद्र कमेंट आ रहे है। आरोपी ने फोटो महिला के पति के दोश्त को भेजकर वीडियो वायरल करने की धमकी। मामले की जानकारी मिलने पर महिला के पति अंकित ने साइबर सेल में मामले की शिकायत की। आरोप है कि दो दिन बाद आरोपी ने उनकी रिश्तेदारी में महिला के फोटो भेज दिए। जिस पर उन्होंने दोबारा से मामले की शिकायत कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

प्रवासी पक्षियों के आगमन का समय नजदीक लेकिन झील सूखी

सर्दी की दस्तक होते ही अक्तूबर के अंत से आने लगते हैं प्रवासी पक्षी

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

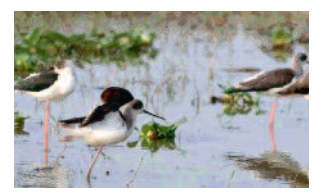

सर्दी का मौसम आ रहा है, ऐसे में ओखला पक्षी विहार में प्रवासी पक्षियों का आगमन शुरू होने वाला है। हालांकि स्थिति यह है कि ओखला पक्षी विहार में प्रवासी पक्षियों के आगमन की तैयारी अब तक पूरी नहीं हुई है।

यहां की झील पूरी तरह सूखी पड़ी है और पानी में रहने वाले देसी पक्षियों को भी पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। बतादें कि सर्दी के महीनों में जब विदेशों में बर्फबारी होने लगती है तो पानी में रहने वाले प्रवासी पक्षी भारत की ओर रुख कर लेते हैं। भारत में अधिकतर प्रवासी पक्षी दिल्ली-एनसीआर की तरफ आते हैं।

यहां पर अलग-अलग शहरों में सुंदर झीलें हैं। ऐसे में पानी में रहने वाले पक्षी यहां पर आसानी से रहते हैं। सर्दियों के मौसम में ओखला पक्षी विहार में तरह-तरह के प्रवासी पक्षी आते हैं, ऐसे में सर्दियों के समय यहां पर पर्यटकों की संख्या भी बढ़ जाती है।

वन विभाग के अधिकारी पीएस नेगी का कहना है कि पानी छोड़ने के लिए सिंचाई विभाग से बात की गई है। यह पानी सिंचाई विभाग की ओर से बंद किया गया है। हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़ दिया जाएगा तो झील में पानी आ जाएगा।

नार्थ इण्डिया ग्रुप ऑफ कॉलेजेज (NIGC) में फ्रेशर कप 2025 के फ़ाइनल मुकाबले

रोमांचित मुकाबलो मे फ्रेशर कप क्रिकेट मे लॉ की टीम और वालीबाल मे पॉलिटेक्निक ने जीता फ़ाइनल

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

बुंदकी मार्ग स्थित नार्थ इंडिया ग्रुप ऑफ कालेजेज(NIGC)के मैदान में आयोजित फ्रेशर कप का फाइनल वालीबाल मुकाबला बी.बी.ए. और पॉलिटेक्निक के बीच खेला गया। जिसका उदघाटन मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य मानिक गुप्ता और विभागाध्यक्ष एम.बी.ए. डा. उज्ज्वल कुमार द्वारा इस सन्देश के साथ किया गया कि एक अच्छा खिलाडी देश का अनुशासित नागरिक होता है।

मित्रता सहयोग व सदभावना के साथ बी.बी.ए. और पॉलिटेक्नि के बीच खेलते हुये पॉलिटेक्निक ने 2-0 से यह फाइनल वालीबाल मुकाबला अपने नाम किया । विजयी रही पॉलिटेक्निक को गोल्ड मैडल और प्रमाण पत्र तथा उप विजेता बी.बी.ए. को सिल्वर मैडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

दूसरी ओर फ्रेशर कप क्रिकेट का फाइनल मुकाबला कॉमर्स और लॉ के बीच खेला गया | जिसमे टॉस जीतकर लॉ की टीम ने बल्लेबाजी करने का निर्णय और पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर मे 95 रन बनाए।

इस प्रकार 95 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र 10 ओवर मे कॉमर्स की टीम 61 रन ही बना सकी। इस प्रकार लॉ की टीम 34 रनो से विजयी रही। विजेता टीम के प्रीत सिंह मैन ऑफ द मैच रहे।

इसी के साथ–साथ फ्रेशर कप से कॉमर्स की टीम के 8 विकेट लेने वाले पारसमनी को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का खेताब भी दिया गया। विजेता टीम के आशुतोष को फ्रेशर कप क्रिकेट का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुना गया। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट 64 रन और 3 विकेट के साथ कॉमर्स की टीम के मोहम्मद आयान रहे।

फ्रेशर कप संयोजक नीरज कुशवाह, अमन कुमार शर्मा और पिंकुर चौधरी तथा बैडि्मंटन कोऑर्डिनेटर अमन कुमार शर्मा तथा एन.आई.जी.सी. क्रिकेट अकादेमी से कोच अहमरउद्दीन तथा एम्पायर एनुल हक ,ताराचंद की देख-रेख में आयोजित टूर्नामेंट में सभी टीमों के कोऑर्डिनेटर्स मे प्रदीप, मनोज कुमार, विष्णु दत्त, शिव कुमार,अनिल कुमार, कमल कुमार व विवेक कुमार सहित और बड़ी संख्या में कॉलेज स्टाफ व दर्शक उपस्थित रहे।

फ्रेशर कप के आयोजको ने एन.आई.जी.सी के प्रबंध निदेशक इंजी.अवनीश अग्रवाल जी, कार्यकारी निदेशक अभिनव अग्रवाल जी का स्वागत किया तथा मुख्य अतिथियों ने सभी छात्र-छात्राओ को शुभकानाए दी।

एनआईजीसी NICHE प्रिंसिपल डा. नीलावती, डा. नवनीत राजपूत, लॉ कॉलेज के प्रिंसिपल डा. अभिषेक कुमार शर्मा बी.एड. विभागाध्यक्ष डा.राम किशोर व पॉलिटेक्निक प्रिंसिपल मानिक गुप्ता जी ने सयुक्त रूप से विजेताओ को ट्राफी प्रदान कर सम्मानित भी किया।

इस्लाम सिर्फ़ इबादत नहीं, बंदों के हक़ूक़ की हिफ़ाज़त भी सिखाता है: मुफ़्ती कफ़ील

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगीना जमीयत उलमा-ए-शहर नगीना के ज़ेरे-एहतिमाम मस्जिद कुरैशियान, मोहल्ला क़ाज़ी सराय सेकंड में एक रूहानी व इस्लाही जलसा का इनआक़ाद अमल में आया। इस पुरनूर महफ़िल की सदारत हज़रत मौलाना डॉक्टर खलीक़ अहमद क़ासमी (मौहतमिम जामिया अरबिया रशीदिया, नगीना) ने फ़रमाई, जबकि निज़ामत के फ़राइज़ हज़रत मौलाना हिफ़्ज़ुर्रहमान साहब मज़ाहिरी ने निहायत ख़ूबसूरती से अंजाम दिए।

जलसे का आग़ाज़ मौहम्मद फरमान की तिलावत-ए-क़ुरआन पाक से हुआ जिससे फ़ज़ा मुअत्तर हो गई। इसके बाद अब्दुल हन्नान ने नअत-ए-रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पेश की जिसे सामेईन ने पूरे शौक़ व अकीदत से सुना।

इस मौक़े पर जामिया अरबिया रशीदिया नगीना के उश्ताद हज़रत मौलाना मुफ़्ती कफ़ील अहमद मज़ाहिरी साहब ने अपने पुरअसर बयान में कहा कि "अगर इंसान हराम और नाजायज़ आमाल से नहीं बचता तो उसकी इबादतों में वह अस्र बाक़ी नहीं रहता जिससे बंदा क़ुर्ब-ए-इलाही हासिल कर सके। आबिद बनने के लिए ज़रूरी है कि इंसान मुहर्रमात (हराम और नाजायज़) से इज्तिनाब करे, तभी नेकियों का असली फायदा होगा।"

उन्होंने फ़रमाया कि "इस्लाम ने जहाँ अल्लाह की इबादत का हुक्म दिया है वहीं बंदों के हुक़ूक़ की पाबंदी और पड़ोसियों से हुस्ने-सुलूक की भी तालीम दी है। मुसलमान का ईमान तब तक कामिल नहीं होता जब तक वह अपने पड़ोसी से भलाई न करे और अपनी ज़ात से उसे तकलीफ़ न पहुँचाए।"

जलसे के मेहमान-ए-ख़ास दारुल उलूम वक़्फ़ देवबंद के उश्ताद हज़रत मुफ़्ती मोहम्मद रफ़ाक़त हुसैन साहब ने अपने कलीदी ख़िताब में दो अहम पहलुओं पर रोशनी डाली:

(1) बंदे का अपने ख़ालिक़ से तअल्लुक़,

(2) बंदे का दूसरे इंसान से तअल्लुक़।

उन्होंने फ़रमाया कि अगर हम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की हिदायतों पर अमल करें तो हमारा अल्लाह से रिश्ता ज़िंदा, रौशन और मज़बूत रहेगा। अल्लाह तआला ने इस रिश्ते को ताज़ा रखने के लिए दिन में पाँच वक़्त नमाज़ के ज़रिए अपने दरबार में हाज़िर होने का मौका दिया है। अगर हम नमाज़ से ग़ाफ़िल रहते हैं तो दरअसल हम अपने रब से तअल्लुक़ को कमज़ोर कर रहे हैं।

इंसान से इंसान के ताल्लुक़ पर बात करते हुए मुफ़्ती साहब ने कहा कि मुआशरती ज़िंदगी में अदल, मोहब्बत, इसार और ख़ैरख़्वाही बहुत ज़रूरी हैं। अगर हम एक-दूसरे के हक़ अदा करें, खुदगर्ज़ी और तकब्बुर से बचें, तो समाज में अमन, प्यार और एतेमाद की फ़िज़ा क़ायम हो सकती है।

निकाह के मौज़ू पर बात करते हुए मुफ़्ती साहब ने फ़रमाया कि "आज निकाह को ज़रूरत से ज़्यादा मुश्किल बना दिया गया है। शादियों में दिखावा (नुमूद-ओ-नुमाइश), फ़ुज़ूल ख़र्ची और रस्म-ओ-रवाज ने दीन की सादगी को मिटा दिया है। निकाह को आसान कीजिए, दुनियावी शान-ओ-शौकत से परहेज़ कीजिए और सिर्फ़ दीन व तक़वा की बुनियाद पर अपने बेटों-बेटियों के रिश्ते तय कीजिए। जिस निकाह में ख़र्च कम होता है, उसी में अल्लाह की बरकत ज़्यादा होती है।

उन्होंने कहा कि "दहेज़ (जहेज़) के लेन-देन से बचना चाहिए, क्योंकि ये रस्में दीन का हिस्सा नहीं बल्कि समाजी बोझ हैं जो ग़रीबों के लिए परेशानी बनती हैं। अगर मुसलमान अपने निकाह सादगी से करने लगें तो समाज में सुकून और खुशहाली लौट आएगी।"

आख़िर में सदर-ए-इजलास मौलाना डॉक्टर ख़लीक अहमद क़ासमी साहब ने मुन्तज़मीन-ए-जलसा का शुक्रिया अदा किया और फ़रमाया कि "सीरतुन्नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम कमेटी के सभी अरकान की महनत और खलूस क़ाबिले तारीफ़ है, अल्लाह तआला उनकी कोशिशों को अपनी बारगाह में कबूल फ़रमाए।" प्रोग्राम का इख़्तिताम मेहमान-ए-ख़ुसूसी की दुआ पर हुआ, और इन्हीं मुख्लिसाना कोशिशों और अल्लाह के फज़्ल से ये बाबरकत प्रोग्राम कामयाबी और खुबसूरती के साथ मुकम्मल हुआ।

इस मौके पर डॉ. ख़लीक अहमद क़ासमी, हाफ़िज़ रफ़ीक़ अहमद, मुफ़्ती क़मर आलम, क़ारी हुसैन, हाफ़िज़ इमरान, मुहम्मद रेहान, राशिद भाई, सलमान भाई, मुहम्मद आबिद, इक़बाल अहमद, हाफ़िज़ अब्दुल वली, मौलाना इर्शाद, मुफ़्ती मुशाहिद, मुफ़्ती कफील मज़ाहिरी , मुफ़्ती शादाब, मुफ़्ती अज़ीम, मुफ़्ती नबील, मौलाना वक़ील, मौलाना अब्दुल क़ादिर, मौलाना हिफ़्ज़ुर्रहमान, मुफ़्ती अफ़ज़ाल, क़ारी फ़ुरक़ान, मौलाना एहतिशाम, मौलाना वारिस, मौलाना फैसल, क़ारी क़ासिम, यासीन सोनी, हाफ़िज़ जलील, हाफ़िज़ हसीब, हाफ़िज़ अक़दस, हाफ़िज़ ज़ैद, मौलाना उसामा, मुफ़्ती उसामा, हाफ़िज़ सलमान वग़ैरह मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, उत्तर रेलवे, कश्मीरी गेट, दिल्ली–6 निम्नलिखित कार्य के लिए दो पैकेट प्रणाली के अंतर्गत ई–निविदा आमंत्रित करते हैं:–

1.	कार्य का नाम एवं स्थान	"सहायक मंडल इंजीनियर/हरदोई के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत कोरहा आलम नगर सेक्शन में सुरक्षा बाड़ फेंसिंग (दोहरी डब्ल्यू टाईप) का प्रावधान" तथा वरि मंडल इंजीनियर III/ मुरादाबाद के अंतर्गत सहायक मंडल इंजीनियर/ शाहजहांपुर के अधिकार क्षेत्र में वरि मण्डल इंजीनियर –III/मुरादाबाद– लखनऊ सेक्शन में सुरक्षा बाड़ (दोहरी डब्ल्यू टाईप) का प्रावधान एवं वरि मण्डल इंजीनियर–III/ मुरादाबाद के अंतर्गत सहायक मंडल इंजीनियर/बरेली के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत मुरादाबाद– लखनऊ सेक्शन में सुरक्षा बाड़ (दोहरी डब्ल्यू टाईप) का प्रावधान एवं मुरादाबाद मंडल के लखनऊ–सहारनपुर सेक्शन से अथवा उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/मुरादाबाद के अधिकार क्षेत्र में किसी अन्य स्थान पर वरि मण्डल इंजीनियर–IV/ मुरादाबाद के अंतर्गत मुरादाबाद नजीबाबाद सेक्शन तक सुरक्षा बाड़ (दोहरी डब्ल्यू टाईप) का प्रावधान।
2.	अनुमानित/निदेशात्मक परियोजना लागत	रुपये 1589157538.31/–
3.	कार्य पूरा करने की अवधि	12 माह
4.	जमा की जाने वाली जमानती राशि	रूपये 8095800.00/–
5.	विस्तृत ई–निविदा सूचना तथा निविदा दस्तावेज	उपर्युक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 09.10.2025 से 10.11.2025 तक उपलब्ध होंगी।
6.	बोली पूर्व सम्मेलन	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण, प्रधान कार्यालय, उत्तर रेलवे, कश्मीरी गेट, दिल्ली तथा ऑनलाईन वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग लिंक के माध्यम द्वारा में दिनांक 15.10.2025 को 11:30 बजे बोली पूर्व सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।
7.	पुर्वावलोकन प्रश्नो की प्राप्ति की अंतिम तिथि	16.10.2025 18:00 बजे तक।
8.	पुर्वावलोकन प्रश्नो का उत्तर	22.10.2025 18:00 बजे तक।
9.	ई–निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि और समय	10.11.2025 को 11:30 बजे तक। निविदाकर्ता द्वारा निविदा दस्तावेज 27.10.2025 से 10.11.2025 तक www.ireps.gov.in वेब साईट पर अपलोड किए जा सकते है।
10.	ई–निविदा खुलने की तिथि और समय	10.11.2025 को 11:30 बजे। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी देखी जा सकती है।

सं0–74–डब्लु/4/1/479/डब्लु.ए./मुरादाबाद दिनांक : 09.10.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3128/25

संपादकीय

संघ चक्र में अधिनायकवाद की तीली

स्व/तंत्रता पश्चात भारत न केवल सम्राज्य वाद के बहुआयामी शिकंजे से बल्कि आर्थिक शोषण से उत्पन्न्न पिछड़ेपन, सामाजिक, सांस्कृतिक विद्रूपताओं से मुक्ति का प्रयास कर रहा था।

एक ओर जहा पाश्चात्य संस्कृति की भौतिक चकाचौंध उसे आकर्षित कर रही थी वहीं देश की समृद्ध वैचारिक अध्यात्मिक परंपरा, नवीन मूल्योंत के लिए संघर्ष कर रही थी। ऐसे मतान्तरों के बीच महात्मा गांधी के दर्शन ने मानवीय जीवन को समृद्ध करने में अहम भूमिका निभाई। उनके विचारों की व्या पकता से बिनोबा भावे, राम मनोहर लोहिया सहित डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जैसे व्यक्तित्वोंं ने विविध क्षेत्रों में रचनात्मिक कार्यों को गति दी। वैचारिक मतभेदवश कांग्रेस से पृथक डॉ. हेडगेवार ने हिंदुत्व उन्नयन को लेकर महाराष्ट्र के नागपुर में साल 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की और प्रथम सर संघचालक का गुरुतर दायित्व निभाया।

संघ की आधारभूत संगठनात्मक इकाई शाखा है जहाँ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों का वैचारिक और शारीरिक प्रशिक्षण होता है। जब महिलाओं के लिए भी इसी तरह के संगठन की आवश्यकता महसूस की गई तो डॉ. हेडगेवार से विचार-विमर्श के बाद साल 1936 में महाराष्ट्र के वर्धा में लक्ष्मीबाई केलकर ने राष्ट्र सेविका समिति की स्थापना की।

डॉ. हेडगेवार के बाद माधवराव सदाशिव गोलवलकर गुरूजी ने द्वितीय सर संघचालक के रूप में संघ का कार्यभार सम्हेाला। राष्ट्री य पुनर्निर्माण में प्रत्येक्ष वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने के अभियान में मजदूर, किसान, कर्मचारी, शिक्षक, वनवासी, विद्यार्थी, दुर्गा वाहिनी, राष्ट्6 सेविकाओं को संगठित किया गया। इन संगठनों के कल्याण को लेकर कई प्रकल्प् चलाये गये। इसमें कोई संदेह नही कि संघ की 100 वर्ष की यात्रा ने देश को युगानुकूल सांस्कृमतिक रूप से समृद्व बनाया अपितु उसके समर्पण ने अनेक ज्वललंत समस्याओं के निराकरण में महती भूमिका निभाई।

डॉ. श्या माप्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में एकात्मा मानववाद का दर्शन लेकर आये पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जैसे व्यक्तित्वोंं ने राजनीति के क्षेत्र में देश को स्वगरण्वी और भयमुक्ती समाज देने का विश्वाास दिलाया। हालांकि गुरूजी इससे सहमत नहीं थे। उनका मानना था कि राजनीति में नैतिक आचरण कोरी कल्पाना है। वहीं राज्यसभा सांसद रहे सुप्रसिद्ध विचारक दत्तोकपंत ठेंगड़ी का मत भी गुरूजी से भिन्ने नहीं था।

यही विश्वास हरिशंकर परसाई के 'राजनीति' व्यंग्य और सआदत हसन की कहानी 'बाबू गोपीनाथ' का स्मरणबोध कराती है। 'जीवन के अंतिम क्षण व्यलतीत करने के बारे में गोपीनाथ ने मण्टो को दो स्थान बताये, पहला- वैश्यों का कोठा और दूसरा मजार। क्योंकि इन दोनो जगहों पर फ़र्श से लेकर फलक तक धोखा-फरेब ही होता है।

जो आदमी स्वदयं को धोखा देना चाहता है उसके लिए इससे मुकम्मतल जगह क्याय होगी? ऐसे अनेक तथ्य हीन मसले हैं जो हम तमाशबीनों को पसंद है अन्यथा कौन नहीं जानता कि कोठे पर उनके वालिद अपनी औलाद से पेशा कराते हैं और इबादतगाहों में इंसान अपने खुदा से।'

आखिर वह क्षण आ ही गया जब नैतिक मूल्योंत के तप से राजनीतिक प्रतिसाद का बीजारोपण हुआ। समकालीन घटनाओं को राजनैतिक लाभ अनुकूल भ्रामक तथ्य प्रस्तुत कर येन केन प्रकारेण सत्ता् प्राप्ति में सफल योगियों ने भोग को मूल मंत्र बनाया।

जब भी इस पर उंगलियां उठी उसे पिछले शासकों की शैली के तुलनात्मक अस्त्र से उदासीन कर दिया गया। इससे न केवल संघ के अनुषंगिक संगठनों के लक्ष्, हित, चरित्र और मूल्य्े प्रभावित हुए अपितु अंत्योतदय साहीन रह गया। अंततः धर्मांधता के हिंसक आगोश में विकास की बुनियादी जरूरतें दम तोड़ने लगीं। मंहगाई, अतिरिक्त करभार, विपक्ष को समाप्त्न करने का अभियान, अन्यायत को मोदी है तो मुमकिन है की तर्ज पर भाग्यव विधाता स्वकरूप स्वीसकार किया।

अतिवाद के इस आधिनायकवाद ने संघ पर प्रभुत्व जमाना शुरू कर दिया। जिससे संघ के निष्ठित अधिकारियों को रक्षात्मक रुख अपनाने पर विवश होना पड़ा। इस श्रृंखला में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी समेत 57 लोगों ने केन्द्र। सरकार की चारधाम परियोजना के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई को पत्र लिखा। हिमाचल प्रदेश में बीते दिनों आई प्राकृतिक आपदाओं का भी ज़िक्र करते हुए उन्होंने इस परियोजना के तहत निर्माणाधीन मार्गों को साढ़े पांच मीटर से बढ़ाकर 12 मीटर चौड़ा किये जाने पर आपत्ति उठाई है।

साथ ही बहुप्रचारित मोदी सरकार की आर्थिक नीति खिलाफ दावा किया कि आर्थिक विकास को केवल जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय वृद्धि से नहीं आंका जा सकता। इसके लिए जनकल्याण समानता समग्रता और आध्यात्म को भी पैमाना बनाना चाहिये।

भारत में वर्तमान मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के दुष्परिणामस्वीरूप आय में बढ़ती असमानता पर चिंता जताते हुए उन्होंने दावा किया कि साल 2021 के सर्वे के अनुसार केवल 10 प्रतिशत लोगों के पास ही देश की कुल 65 प्रतिशत सम्पत्ति जमा हो गयी है गलत आर्थिक नीतियों के कारण ही महाविद्यालयों में नामांकन प्रभावित हुआ है।

जलवायु परिवर्तन, नशाखोरी और बढ़ती आत्महत्याओं के लिये भी मोदी सरकार पर उंगली उठाई गयी। दीनदयाल उपाध्यायय के एकात्म मानवतावाद का स्मरतण कराते हुए मोदी सरकार की व्या पार नीति, बेरोजगारी, अशिक्षा और महंगी चिकित्सा सेवाओं पर सवाल उठाये। उनका कहना था कि आज पर्याप्त नौकरी नहीं उपलब्ध होने से युवाओं में भारी आक्रोश पनप रहा है। विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बताने के दावों पर मोदी सरकार पर कटाक्ष करते हुए उन्होंकने बताया कि भारत में प्रति व्यक्ति आय 3000 डालर से भी कम है जबकि जापान में यह हमसे दस गुना अधिक है।

गरीब की बढ़ती बदहाली पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंगने बताया कि सबकी उन्नति बिना हिंदुत्व के लक्ष्य को प्राप्तर नहीं किया जा सकता। उन्होंने बेलगाम पूंजीवाद के अंधाधुंध विकास की जगह उपलब्ध संसाधनों के सामूहिक उपयोग पर बल दिया। इससे पहले सर संघचालक मोहन भागवत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75 वर्ष की आयु पूरा करने की ओर संकेत करते हुए स्पतष्ट कराया कि सच्चा स्वयंसेवक अहंकारी नहीं होता। पदमुक्ति से भयग्रश्त पीएम मोदी ने तब विभिन्नन मंचों पर संघ श्तु तिगान का भाषण का हिस्साी बनाया। शायद डॉ. हेडगेवार की लोकेषणा, आत्मपश्लोघा की प्रतिज्ञा नेपथ्या में चली गई है इसलिए सर संघचालक को मंतव्यय बदलना पड़ा।

जाति, ईर्ष्या और जीवनः नौकरशाही का स्याह पहलू

जब जाति इस गुटबाजी का हिस्सा बन जाती है, तो योग्यता, ईमानदारी और संवेदनशीलता, सब हाशिए पर चले जाते हैं। पूरन कुमार की मौत झूठी प्रतिष्ठा के इस तंत्र पर एक नैतिक छाया डालती है। यह घटना सिर्फ़ आत्महत्या नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की आत्मा की हत्या है, जो अपने अधिकारियों को मानसिक और नस्लीय रूप से इतना भ्रष्ट कर देती है कि वे जीवन त्यागने पर मजबूर हो जाते हैं। हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या ने प्रशासनिक जगत को स्तब्ध कर दिया। अपने सुसाइड नोट में, उन्होंने 15 आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को अपना निशाना बताया है और कहा है कि वे जाति-आधारित अपमान कर रहे हैं और मानसिक उत्पीड़न कर रहे हैं। चंडीगढ़ पुलिस ने डीजीपी शत्रुघ्न कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारनिया सहित कुल 14 अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर संख्या 156 दर्ज की। हरियाणा के इतिहास में यह पहली बार है कि इतने सारे वरिष्ठ कर्मचारियों पर एससी/एसटी अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के तहत एक ही सजा सुनाई गई है। लेकिन एक पल में हमें एहसास हुआ कि यह नौकरशाही में दबे जातिगत भेदभाव पर एक बड़ा प्रहार था...

डॉ. सत्यवान सौरभ

07 अक्टूबर को हरियाणा की प्रशासनिक मशीनरी में एक ऐसी गूंज उठी जिसने नौकरशाही की शालीनता की पोल खोल दी। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार ने चंडीगढ़ सेक्टर 11 स्थित अपने सरकारी आवास पर खुद को गोली मार ली। लेकिन यह आत्महत्या नहीं थी; यह जातिगत भेदभाव, उस सीढ़ी पर चढ़ने के संघर्ष और इसी व्यवस्था में अंतर्निहित उत्पीड़न की आत्महत्या थी।

अब, चंडीगढ़ पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर और उसकी खामोशी कानून की दश्तक बन गई है। एफआईआर संख्या 156, जिसमें बाद में डीजीपी शत्रुघ्न कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारनिया को आरोपी बनाया गया, और 14 अन्य को आदेश पर अधिकारी बनाया गया, भारत के प्रशासनिक इतिहास में एक मील का पत्थर है। और भारतीय दंड संहिता की धारा 108, 3(5) और एससी/एसटी अधिनियम की धारा 3(1)(आर) के तहत दर्ज होने के कारण, यह मामला इस बात का प्रमाण है कि सत्ता के ऊँचे पदों पर आज भी जातिवाद उतनी ही ज़ोर-शोर से घूमता है जितना कि गाँवों की गलियों में।

पूरन कुमार के सुसाइड नोट में 15 आईएएस और आईपीएस अफसरों के नाम हैं। हर नाम एक आरोप है, और हर आरोप एक आरोपः क्या इस देश में संवैधानिक शक्तियों वाला कोई भी अधिकारी अपनी जाति की बेड़ियाँ नहीं तोड़ सकता? उन्होंने कहा, 'आप एक 'अतिरिक्त पद' थे, और उनके कौशल को हमेशा दबा दिया गया, और जातिगत धमकियों के साथ-साथ गालियों ने उन्हें मानसिक रूप से तोड़ दिया।' पूरन कुमार का करियर रिकॉर्ड इस निष्कर्ष की पुष्टि करता है।

पुलिस सेवा में वे कठोर और सच्चे थे, लेकिन उन्हें बार-बार निचले पदों पर स्थानांतरित किया गया-अब आईजी होमगार्ड, फिर आईजी दूरसंचार। जब उन्हें अप्रैल 2023 में रोहतक रेंज के आईजी का पद मिला, तो उन्हें लगा होगा कि उनकी मेहनत रंग लाई है। लेकिन पाँच महीने बाद ही उनका तबादला सुनारिया पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज में कर दिया गया-और यहीं से उनका मानसिक पतन शुरू हुआ। यह कहानी एक अधिकारी की नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की है जो 'योग्यता' से ज़्यादा 'पहचान' को महत्व देती है। आरक्षण इस देश में एक नया भविष्य तो लाता है, लेकिन व्यवस्था उसे मान्यता देने से इनकार करती है।

दलित अधिकारियों को अक्सर कमतर आंका जाता है; उन्हें 'योग्य अधिकारी' की बजाय 'आरक्षण अधिकारी' कहा जाता है। पूरन कुमार की मौत ने साबित कर दिया कि जाति न केवल समाज में, बल्कि सत्ता के गलियारों में भी व्याप्त है। पूरन कुमार की पत्नी, आईएएस अधिकारी अमनीत पी. कुमार ने दो अलग-अलग याचिकाएँ दायर कीं-एक में केवल डीजीपी और पुलिस अधीक्षक के खिलाफ कार्रवाई की माँग की गई है, और दूसरी में सभी 15 अधिकारियों की गिरफ़्तारी की माँग की गई है। यह किसी एक अधिकारी की लड़ाई नहीं है, बल्कि एक संवेदनशील पत्नी और सहकर्मी की लड़ाई है जो राज्य से अपने लिए न्याय चाहती है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ़ आत्महत्या नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हत्या है।

कई आईएएस, आईपीएस और एचसीएस अधिकारियों ने एफआईआर दर्ज होने के बाद अनुसूचित जाति समुदाय के पूरन परिवार के साथ एकजुटता व्यक्त की है। यह अभूतपूर्व है, नौकरशाही में आमतौर पर चुप्पी की संस्कृति व्याप्त रहती है, जहाँ अधिकारी अक्सर अपने साथियों के बारे में बात करने से भी बचते हैं।

लेकिन इस बार यह चुप्पी टूट गई है। अधिकारी इस समय कह रहे हैं कि पूरन कुमार की हत्या कोई व्यक्तिगत हत्या नहीं है-वह एक ऐसे व्यक्ति थे जिनके विचार समानता और सम्मानजनक व्यवहार की अपेक्षा रखते थे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने परिवार से मुलाकात की और उन्हें निष्पक्ष जाँच का आश्वासन दिया। लेकिन क्या यह वादा न्याय में तब्दील होता है? क्या राज्य सरकार इतनी हिम्मत जुटा पाएगी कि एक वरिष्ठ अधिकारी को डीजीपी पद से हटाकर पुलिस अधीक्षक को पद से हटा दे? या यह भी किसी अन्य 'आंतरिक जाँच' की तरह फाइलों में सिमट कर रह जाएगा? हरियाणा की नौकरशाही में वर्षों से जाति-आधारित गुटबाजी के बारे में चर्चा होती रही है जो अधिकारियों की नियुक्तियों, तबादलों और पदोन्नति को प्रभावित करती है।

यह 'कौन किसका है' का मामला है, और पद से ज़्यादा वरीयता हासिल करनी होती है। और जब जाति इस गुटबाजी का हिस्सा बन जाती है, तो योग्यता, ईमानदारी और संवेदनशीलता, सब हाशिए पर चले जाते हैं। पूरन कुमार की मौत झूठी प्रतिष्ठा के इस तंत्र पर एक नैतिक छाया डालती है। यह घटना सिर्फ़ आत्महत्या नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की आत्मा की हत्या है, जो अपने अधिकारियों को मानसिक और नस्लीय रूप से इतना भ्रष्ट कर देती है कि वे जीवन त्यागने पर मजबूर हो जाते हैं। इस मामले के बाद, नौकरशाही में जातिगत भेदभाव पर किसी तरह का खुला संवाद उभर सकता है। लेकिन यह भी डर है कि यह मामला प्रशासनिक औपचारिकता बनकर रह जाएगा-जैसा कि हमेशा होता आया है। एक जाँच समिति बिठाई जाएगी, बयान दर्ज किए जाएँगे, और एक निर्णायक रिपोर्ट में इसे 'निजी कारणों से आत्महत्या' घोषित कर दिया जाएगा।

महान पूरन कुमार का लिखा एक-एक शब्द आज भी एक सवाल की तरह हवा में तैर रहा हैः 'जब न्याय करने वाले ही अन्याय करने लगें, तो विरोध कौन करे?'" यह उन अनेक उदाहरणों में से अंतिम है जब एक सहानुभूतिशील अधिकारी ने अपने प्राणों की आहुति देकर यह दर्शाया कि जातिवाद की पीड़ा को सत्ता के शिखर से कम नहीं किया जा सकता। हालाँकि, यह अहसास कि जाति ने आज भारत की राजनीति को संक्रमित कर दिया है, न केवल सरकार की, बल्कि समाज की भी ज़िम्मेदारी है। पूरन कुमार चले गए हैं, लेकिन उनके सुसाइड नोट से यह स्पष्ट है कि नौकरशाही की चुप्पी भी एक आपराधिक कृत्य है। उनकी मृत्यु के लिए व्यवस्था को न केवल अपराधियों, बल्कि अपनी सोच को भी जवाबदेह ठहराना होगा। क्योंकि जब तक यह व्यवस्था नहीं बदलती, तब तक हर पूरन कुमार के लिए यह हमेशा एक गोली की तरह रहेगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार है)

बिहार में बीजेपी-नीतीश की बी टीम होगी आम आदमी पार्टी?

कुमार समीर

बिहार की राजनीति में आम आदमी पार्टी के बिहार विधान सभा चुनाव में प्रवेश का क्या मतलब है ? क्या उनका वहां ऐसा जनाधार है कि वह विधानसभा की 243 सीटों में से एक पर भी विजय हासिल करने वाली है ? राष्ट्रीय पार्टी बन चुकी है तो फिर जल्दबाजी में आखिर बिहार चुनाव में उतरने का क्यों लिया गया फैसला ? क्या आप के अंदर मची भगदड़ को रोकने के लिए आनन-फानन में बिहार चुनाव में अपने प्रत्याशियों को उतारने का फैसला किया गया ?

ये ऐसे सवाल हैं जिसकी तह में जाएंगे तो आपको खुद ब खुद आभास हो जाएगा कि इस सबके पीछे का असली माजरा क्या है ? यह वही पार्टी जो कहा करती थी कि मजबूत संगठन खड़ा करने के बाद ही किसी प्रदेश में चुनाव में जाएगी । हां, हरियाणा राज्य जरूर अपवाद रहा है जहां मजबूत संगठन नहीं होने के बावजूद चुनाव में उतरी थी आम आदमी पार्टी।

जहां तक बिहार राज्य की बात है तो यहां संगठन खड़ा करने की कवायद पिछले 2020 के विधानसभा चुनाव से पहले ही हो चुकी थी लेकिन तब यह कहकर 2020 में प्रत्याशियों को नहीं उतारा था कि बिहार भर में संगठन को और मजबूत करने के बाद ही चुनाव में जाया जाएगा। लेकिन 2025 में आखिर ऐसा क्या हो गया कि आनन-फानन में प्रत्याशियों के नामों की घोषणा करनी शुरू कर दी ? यह गौर करने वाली बात है।

सच तो यह है कि बिहार में आम आदमी पार्टी के संगठन के अशितत्व को बचाने की कवायद के तहत अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने पहली लिस्ट जारी की है। कहा जा रहा है कि पीके फैक्टर' की वजह से आम आदमी पार्टी को चुनावी मैदान में उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा है। बता दें कि राष्ट्रीय जनता दल (RJD) उन दलों में से है जो इंडिया गठबंधन में आम आदमी पार्टी (AAP) के साथ कई राष्ट्रीय मुद्दों पर एक जैसी राय रखते हैं। राजद बिहार में एनडीए को सत्ता से हटाने के लिए इंडिया गठबंधन की अगुवाई कर रही है। इसके बावजूद आम आदमी पार्टी ने पहली बार बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। पार्टी पहले ही 11 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर चुकी है और कहा जा रहा है कि जल्द ही दूसरी और तीसरी लिस्ट भी आने वाली है। आम आदमी पार्टी के सूत्रों की भी मानें तो पीके फैक्टर यानी प्रशांत किशोर का असर ही आम आदमी पार्टी को बिहार चुनाव में उतरने की असली वजह बना है।

हालांकि बिहार आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष राकेश यादव का कहना है कि ये फैसला बिहार के वोटरों को 'विकल्प वाली राजनीति' दिखाने के लिए लिया गया है। इसमें दो राय नहीं है कि आम आदमी पार्टी के संगठन महासचिव संदीप पाठक ने पहले घोषणा की थी कि पार्टी बिहार में चुनाव लड़ेगी। लेकिन जब तक उम्मीदवारों की लिस्ट जारी नहीं हुई थी, तब तक इसे लेकर संदेह था।

आम आदमी पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि प्रशांत किशोर का असर आम आदमी पार्टी के संगठन पर दिखने लगा था। डर था कि पार्टी के स्थानीय नेता और कार्यकर्ता जन सुराज में चले जाएंगे। दरअसल, प्रशांत किशोर का जन सुराज मॉडल राजनीति का वही पैटर्न पेश कर रहा था जो आम आदमी पार्टी का मूल मॉडल यानी जनता से जुड़ी, साफ-सुथरी और मुद्दा आधारित राजनीति है। अब जन सुराज पार्टी एक मजबूत स्थिति में आ चुका है और एक विकल्प भी बन गया है।

पार्टी के वरिष्ठ नेता ने बताया कि आम आदमी पार्टी ने 2020 विधानसभा और 2024 लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा। बिहार इकाई लगातार कह रही थी कि अगर पार्टी गोवा, गुजरात, हरियाणा जैसे राज्यों में चुनाव लड़ सकती है तो बिहार को क्यों छोड़ा जाए ? सच तो यह है कि आम आदमी पार्टी बिहार में राजनीतिक रूप से सक्रिय नहीं थी, इसलिए उसके कई नेता और कार्यकर्ता जन सुराज में शामिल हो गए थे। लेकिन अब जब पार्टी ने 2025 चुनाव लड़ने का ऐलान किया तो उम्मीद है कि पार्टी के भीतर भगदड़ कम होगी और जो पुराने वरिष्ठ साथी पार्टी छोड़कर चले गए हैं उन्हें वापस लाने की कोशिश शुरू होगी।

बिहार इकाई आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष राकेश यादव का भी साफ मानना है कि जन सुराज का असर पार्टी पर पड़ा था। उन्होंने कहा कि करीब 50% कार्यकर्ता जो जन सुराज में चले गए थे, अब वापसी पर विचार कर रहे हैं। हमने चुनाव नहीं लड़ा इसलिए उन्होंने जन सुराज को विकल्प माना था। अब जब हमने पहली लिस्ट जारी की है तो उत्साह बढ़ गया है। यादव के मुताबिक पार्टी को करीब 6000 आवेदन मिले हैं। स्क्रूटनी चल रही है और जल्द ही दूसरी और तीसरी लिस्ट जारी की जाएगी जिनमें 30-40 उम्मीदवार हो सकते हैं।

पीके से अलग कैसे है उनकी पार्टी की राजनीति इस पर राकेश यादव का कहना है कि पीके के मुताबिक वो बिहार को एक वैकल्पिक राजनीति देंगे लेकिन उनका यह नारा हवा-हवाई जैसा ही है। लोगों ने दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी का गवर्नेंस मॉडल देखा है। स्कूलों और अस्पतालों पर केंद्रित शासन व्यवस्था के जो वादे पीके कर रहे हैं, हम उन्हें पहले ही लागू कर चुके हैं।

हालांकि सच तो यही है कि 2025 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी परफार्मेंस कहीं भी दिखाई देता हुआ नहीं दिख रहा है। हां, इससे राजद और आम आदमी पार्टी के रिश्ते पर जरूर असर पड़ता हुआ दिख रहा है। जब राजद ने दिल्ली विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा था तो सवाल उठा था कि क्या आम आदमी पार्टी का बिहार चुनाव में उतरना दोनों पार्टियों के रिश्ते पर असर डालेगा? हालांकि आम आदमी पार्टी के विधायक व बिहार प्रभारी संजीव झा इसे नकारते हैं और उनका इस पर तर्क है कि हम हिमाचल प्रदेश में भी चुनाव लड़े थे लेकिन कांग्रेस जीती।

इससे हमारे रिश्तों पर कोई असर नहीं पड़ा। हम जहां-जहां चुनाव लड़ रहे हैं वहां अपनी शिक्षा और स्वास्थ्य की राजनीति का मॉडल पेश कर रहे हैं। बिहार में भी हमारी एंट्री असली मुद्दों पर फोकस वापस लाएगी। वहीं राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बिहार में आम आदमी पार्टी चाहे जो भी तर्क़ दे लेकिन इस हकीकत से पीछे नहीं हटा जा सकता है कि पीके फैक्टर ने आम आदमी पार्टी को बिहार की चुनावी रेस में उतरने के लिए मजबूर कर दिया है और इसका फायदा एनडीए गठबंधन को मिलता हुआ दिख रहा है।

एक तरफ सत्ता में होने के कारण लोकलुभावन योजनाओं की घोषणाओं का फायदा मिलने की संभावना जताई जा रही है और उस पर आम आदमी पार्टी का चुनाव में जाने को एनडीए की बी टीम के रूप में देखा जा रहा है। हकीकत भले ही यह ना हो लेकिन जमीनी श्तर पर आम आदमी पार्टी को लेकर बिहार में यही मैसेज है स्थानीय लोगों के बीच।

यानी एनडीए को अपनी लोकलुभावन घोषणाओं के साथ साथ आम आदमी पार्टी के चुनाव में उतरने का फायदा होता हुआ दिख रहा है। कांफिडेंस से भरे एनडीए ने कहना शुरू कर दिया है कि 'सुशासन बाबू' की रणनीति की काट नहीं खोज पा रही है इंडिया गठबंधन और परिणामस्वरूप नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए एक बार फिर से सत्ता में आने की आशा कर रहा है। इसके लिए नीतीश की रणनीति अपने कोर वोटरों को साथ बनाए रखने की है। यह कोर वोटर है महिलाओं का।

एनडीए को लगता है कि अगर फिर से महिलाओं का साथ मिल गया तो सत्ता की सीढ़ी तक वह फिर पहुंच जाएगा। यही कारण है कि चुनाव से पहले एक करोड़ से अधिक महिलाओं को सरकार ने 10 हजार रुपये की बड़ी रकम एक साथ ट्रांसफर की है। लाखों और महिलाओं के खाते में पैसे जाने अभी बाकी हैं। उधर, तेजस्वी यादव की अगुआई में इंडी ब्लॉक अभी तक इसकी काट नहीं खोज पाया है। लेकिन उसने भी महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये देने का वादा किया है, जो नीतीश के दांव के आगे हल्का लग रहा है।

नीतीश कुमार ने महिलाओं के लिए कई अहम फैसले कर उन्हें अपने पक्ष में रखने की कोशिश की है। दरअसल, 2005 से अब तक महिलाएं और महादलित उनके साइलेंट कोर सपोर्ट रहे हैं। खासकर, महिला वोटर चुनाव में उनके लिए सबसे बड़ा X फैक्टर बनकर उभरती रही हैं।

नीतीश कुमार जब 2005 में सत्ता में आए थे तो उन्हें पता था कि राज्य की राजनीति जातीय समीकरण में उलझी है। इस समीकरण में उनकी जाति का पलड़ा भारी नहीं था। नीतीश की जाति राज्य में बड़ा आधार नहीं रखती थी। इसीलिए उन्होंने महिलाओं और महादलितों-अतिपिछड़ों के बीच पार्टी का विश्तार किया। तब से लेकर अब तक नीतीश की जीत में महिला वोटरों ने अहम भूमिका निभाई है। वह हर बार अपनी पार्टी के घोषणापत्र में महिलाओं के लिए खास वायदे भी करते रहे हैं। चुनाव में हर बार वह निर्णायक भी साबित होता रहा है।

2015 में उन्होंने शराबबंदी और सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35% आरक्षण का वादा किया था। यह दांव सफल रहा। इसकी पुष्टि चुनाव बाद आए सर्वे से हुई। इनमें बताया गया कि 60% से अधिक महिलाओं ने उस चुनाव में नीतीश के पक्ष में वोट किया था। 2009 की जीत में स्कूल जाने वाली लड़कियों को साइकिल देने की घोषणा का अहम रोल था।

इसकी वजह यह भी है कि बिहार में महिलाओं की वोटिंग में शानदार बढ़ोतरी हुई है। 2020 में नीतीश ने 'जीविका दीदी' योजना पर फोकस किया, जो उनके लिए ब्रैंड एंबेसडर बनी। हालांकि उनके स्वास्थ्य को लेकर कुछ अफवाएं चल रही हैं उसका थोड़ा बहुत असर दिखाई देता हुआ जरूर दिख रहा है।

लेकिन नीतीश कुमार के करीबी रणनीतिकारों का दावा है कि हर बार चुनाव से पहले उनके बारे में नकारात्मक बातें होती हैं, लेकिन जब नतीजे आते हैं तो सभी हैरान हो जाते हैं। इन रणनीतिकारों का दावा है कि साइलेंट वोटर इस बार भी उनके साथ जुड़े रहेंगे। 2020 में भी जब तमाम सर्वे उनके खिलाफ बताए जा रहे थे, तब अंतिम परिणाम में इन्हीं महिलाओं ने नीतीश का किला किस तरह बचा दिया था यह सबके सामने है।

लेकिन इंडी गठबंधन भी चुप नहीं बैठा है और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में नीतीश कुमार के इस मजबूत किले में माई-बहिन योजना की बदौलत सेंध लगाने की कोशिश कर रहे हैं। वे हर महिला को 2,500 रुपये देने का वादा कर रहे हैं। वह नीतीश सरकार के महिलाओं के खाते में 10 हजार ट्रांसफर किए जाने की योजना को काउंटर करने के लिए वादा कर रहे हैं कि सत्ता में आए तो 2,500 रुपये की योजना को लागू करने के साथ ही हर महिला के खाते में पूरे साल का एकमुश्त 30 हजार रुपया एडवांस दे देंगे।

इंडिया गठबंधन महिला वोटरों का डेटा बनाकर उन तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है। इसका गणित है कि अगर इसमें कुछ हद तक भी सेंध लगाने में सफलता मिल गई तो सियासी संतुलन उसके पक्ष में आ जाएगा।

मगर सवाल यह है कि क्या विपक्षी गठबंधन नीतीश के कोर वोटरों के किले में सेंध लगा पाएगा ? अगर ऐसा करने में इंडी गठबंधन सफल हुआ तो उसका असर विधानसभा चुनाव परिणाम पर भी पड़ेगा, इसे नकारा नहीं जा सकता है। इंतजार रहेगा काउंटिंग वाले दिन का जिस दिन नेताओं के दावों की सच्चाई सामने आ जाएगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

विश्व बालिका दिवस पर विशेष : बालिकाओं को उड़ान दें, समाज को नई दिशा दें

दिलीप कुमार पाठक

जब तक हमारे समाज में बेटियों के प्रति ज्यादतियां होती रहेंगी, तब तक हम कितना भी समृद्ध, उदारवादी विकसित समाज होने का ढोल पीट लें हमारी वाश्तविकता कुछ और ही है।

2011 की जनगणनाः भारत में प्रति 1, 000 पुरुषों पर 943 महिलाएँ थीं, लिंगभेद की स्थिति इसी से समझी जा सकती है। भारत में पुरुषों की साक्षरता दर 82.14% और महिलाओं की साक्षरता दर 65.46% है, जो शिक्षा में लिंग अंतर को दर्शाता है।

उच्च शिक्षा में पुरुषों का अनुपात ज़्यादा है, और महिला शिक्षकों का प्रतिशत पुरुषों की तुलना में कम है। पुरुष शिक्षकों और उच्च शिक्षा में कुल नामांकित छात्रों की संख्या में महिलाओं की तुलना में अधिक है। कई सामाजिक कारक, जैसे कि कम उम्र में विवाह, बाल श्रम, और आर्थिक तंगी, लड़कियों की शिक्षा में बाधाएँ उत्पन्न करती हैं और उनके स्कूल छोड़ने की दर को बढ़ाती हैं। आज भी हमारे देश एवं दुनिया में बेटियों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के लिहाज से स्थिति कुछ अच्छी नहीं है।

भारत सहित पूरी दुनिया में लिंग भेद आज भी है, अन्यथा अमेरिका जो दुनिया को संस्कृति सिखाने का ठेकेदार बनता है, आज तक उनके देश में एक भी महिला राष्ट्रपति नहीं बन पाई।

जब हम भारतीय परिपेक्ष्य में देखते हैं तो स्थिति और भी विकट है। जब हमारे देश में हाथरस, मंदसौर, कोलकाता, उन्नाव, कठुआ, बुलन्दशहर, हैदराबाद आदि से रेप की दर्दनाक खबरें आती हैं और जहां से भी छोटी-छोटी बालिकाओं पर ज्यादतियों की खबरें आती हैं, तो पूरे समाज पर प्रश्न चिन्ह लग जाते हैं कि हमारे समाज में शिक्षा एवं संस्कारों मे ये कैसी गिरावट है जहां छोटी-छोटी बालिकाएं कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहीं हैं। लिंग भेद ऐसा कि अपनों के बीच भी बच्चियों को गैरों जैसा दोयम दर्जे का व्यवहार झेलना पड़ता है।

जब पाकिश्तान में मलाला यूसुफज़ई ने बेटियों के शिक्षा का मुद्दा उठाया, तो कट्टरपंथी लोगों ने उन पर जानलेवा हमला किया, ऐसे-ऐसे मुद्दे जब मेन स्ट्रीम में आते हैं, तब समाज की हक़ीक़त सामने आ जाती है, दरअसल हमारे समाज में आज भी लड़कियों को लड़कों के बराबर न मानने वाले लोगों की संख्या ज़्यादा है, हालांकि समाज के लिए सोचने वाले कुछ अग्रणी लोग एनजीओ के माध्यम से ही सही बालिकाओं के लिए कुछ न कुछ योगदान दे रहे हैं, परंतु ये काफ़ी नहीं है। यही कारण है कि हर साल 11 अक्टूबर को इंटरनेशनल डे ऑफ गर्ल चाइल्ड यानी कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है।

इसे मनाने की शुरुआत यूनाइटेड नेशन ने 2012 में की थी। इस दिन को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य था लड़कियों के विकास के लिए अवसरों को बढ़ाना और

लड़कियों की दुनियाभर में कम होती संख्या के प्रति लोगों को जागरूक करना, जिससे कि लिंग असमानता को खत्म किया जा सके। लिंग असमानता भारत सहित पूरी दुनिया की सच्चाई है।

इस दिन को मनाने का उद्देश्य यह भी है कि समाज में जागरूकता लाकर लड़कियों को वे समान अधिकार दिलाए जा सकें, जो कि लड़कों को दिए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस को बढ़ावा देने के लिए इस दिन अलग-अलग देशों में कई तरह के आयोजन भी किए जाते हैं जिसके अंतर्गत लड़कियों की शिक्षा, पोषण, उनके कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल के प्रति उन्हें और समाजजनों को जागरूक किया जाता है।

लड़कियों को सुरक्षा मुहैया कराना, उनके प्रति भेदभाव व हिंसा खत्म करना। बाल विवाह पर प्रतिबंध लगाना भी इस दिन को मनाने के कारणों में शामिल है। 11 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर, 2011 को प्रशताव 66/170 के माध्यम से घोषित किया गया था। इसे पहली बार 11 अक्टूबर, 2012 को मनाया गया था। यह वार्षिक दिवस 1995 के बीजिंग घोषणापत्र और कार्य योजना से जुड़ा है, जिसने पहली बार दुनिया भर में बालिकाओं के विशिष्ट अधिकारों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला था।

प्लान इंटरनेशनल ने इस पहल का नेतृत्व किया, जिसमें कनाडा सरकार सहित कई देशों का मजबूत समर्थन मिला। यह कार्यक्रम बालिकाओं के सशक्तीकरण, मानवाधिकारों और उन्हें प्रभावित करने वाले निर्णयों में उनकी भागीदारी के हित में, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, भेदभाव और हिंसा जैसी बाधाओं पर दुनिया का ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करता है। इस दिन दुनिया भर में बालिकाओं के लिए एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत भविष्य सुनिश्चित करने के प्रयासों को बढ़ावा दिया जाता है।

आज 11 अक्टूबर 2025 को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस की थीम हैः "द गर्ल आई एम, द चेंज आई लीडः गर्ल्स ऑन द फ्रंटलाइन्स ऑफ क्राइसिस" इस थीम का मुख्य फोकस उन परिस्थितियों पर है जिनका सामना बालिकाओं को करना पड़ता है, और उनकी दृढ़ता, नेतृत्व तथा मजबूत आवाज़ों पर, जो मानवीय, सामाजिक और पर्यावरणीय संकटों के खिलाफ खड़ी होती हैं।

चूँकि संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और असमानताएँ बालिकाओं के खिलाफ असमान रूप से भारी पड़ती हैं, इसलिए यह विषय परिवारों, समुदायों और समाजों में परिवर्तनकारी भूमिकाएँ निभाने में उनके साहस को दर्शाता है।

यह बालिकाओं को परिस्थितियों के शिकार के रूप में नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में पहचानने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। लड़कियों के अनुभवों और नेतृत्व पर प्रकाश डालते हुए, यह थीम शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सशक्तिकरण में निवेश का आह्वान करती है ताकि वे सक्रिय रूप से एक बेहतर और अधिक समावेशी दुनिया का निर्माण कर सकें।

यह नारा दुनिया को याद दिलाता है कि हर बालिका में क्षमताएँ भरपूर होती हैं और यह समाज का दायित्व है कि वह उनमें से प्रत्येक को संकट की स्थिति में अग्रणी भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करें।

(लेखक पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

अयोध्या में देर रात दूसरा धमाका: मौके पर पड़ताल कर रहा लेखपाल गंभीर घायल, पहले पांच की हुई थी मौत

अयोध्या , एजेंसी। अयोध्या की पंचायत भदरसा भरतकुंड के महाराणा प्रताप वार्ड के पगलाभारी गांव के एक घर में गुरुवार रात हुए भीषण धमाके में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पुलिस टीम व अन्य कर्मचारी मौजूद थे। इसी

दौरान हुए एक और धमाके में लेखपाल आकाश सिंह घायल हो गया। दोबारा हुए धमाके से हड़कंप मच गया। दूसरा धमाका 11 बजे के करीब हुआ।

इसके पहले हुए धमाके से मलबे में दबकर पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हैं। गांव के निवासी रामकुमार उर्फ पारसनाथ के घर में शाम करीब 7.30 बजे एक तेज धमाका हुआ। धमाके साथ पूरा घर फिल्मी स्टाइल में उड़ गया। घर की दीवारें ताश के पत्तों की तरह ढहीं। धमाके से पूरा इलाका हिल गया।

एचपीसीएल की टीम मौके पर

गांव में विस्फोट मामले में सिलेंडर की जांच के लिए एचपीसीएल की टीम पहुंची है और मौके पर जांच कर रही है। टीम की निगरानी में मकान की बुनियाद को खोदा जा रहा है। बुनियाद जेसीबी से खोदी जा रही है।

बताया गया कि रामकुमार गांव के बाहर घर बनाकर रहते थे। वहीं धमाका हुआ है। धमाके की आवाज सुन गांव के लोग मौके की तरफ भागे। वहां का दृश्य देख ग्रामीणों के रोंगटे खड़े हो गए।

कार की टक्कर से भाजपा नेता के स्कूटी सवार भांजे की मौत

मेरठ , एजेंसी। लावड़-सोफीपुर मार्ग पर कार की टक्कर से स्कूटी सवार मोहित चौहान की मौत हो गई। मोहित भाजपा नेता अनंगपाल चौहान का भांजा था। करवाचौथ पर पति की मौत की सूचना मिलने पर पत्नी याचिका बेहोश हो गई। पुलिस आरोपी कार चालक की तलाश कर रही है। मोदीपुरम के कीर्तिनगर फेज वन कॉलोनी निवासी मोहित चौहान (38) बृहस्पतिवार रात किसी काम से चेकपोस्ट के पास गया था। वहीं पर तेज रफ्तार कार ने मोहित को टक्कर मार दी। मोहित करीब तीन फीट ऊपर उछला और सिर के बल सड़क पर गिरा। आसपास मौजूद लोगों ने आकर लहूलुहान मोहित को उठाया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने मोहित को अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ के अस्पताल में रेफर कर दिया गया। वहीं चालक कार को मौके पर छोड़कर भाग गया।

शुक्रवार सुबह करीब चार बजे मोहित चौहान ने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पल्लवपुरम पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सीओ दोराला चंद्र प्रकाश अग्रवाल का कहना है कि कार को थाने में खिंचवा लिया है। उसके आधार पर आरोपी की पहचान की जा रही है। रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

पति के मौत का पता चलते ही पत्नी बेहोश

मोहित चौहान की मौत की सूचना मिलते ही उसकी पत्नी याचिका बेहोश हो गई। उसका हाल बेहाल हो गया। मोहित चौहान का सात साल का बेटा है, जो मोदीपुरम के विजडम ग्लोबल स्कूल में पढ़ता है। करवाचौथ पर सुहाग मिटने पर याचिका के आंसू थम नहीं रहे थे।

गया स्टेशन से ढाई करोड़ के सोने के बिस्किट बरामद, कोलकाता से कानपुर ले जा रहा था आरोपी

चंदौली, एजेंसी। ट्रेनों से सोने चांदी की तस्करी रुक नहीं रही है। बुधवार की रात पीडीडीयू रेल मंडल के गया स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने एक व्यक्ति को दो किलो सोने के बिस्किट के साथ पकड़ा। बरामद सोने की कीमत ढाई करोड़ रुपये आंकी गई है। युवक सोने की खेप कोलकाता से कानपुर ले जा रहा था। तस्करी के आरोपी और बरामद सोना आयकर विभाग के हवाले कर दिया गया। आरपीएफ निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनावों को देखते हुए स्टेशन पर जांच की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार की रात गया रेलवे स्टेशन पर कालका मेल की जांच की गई तो एक संदिग्ध व्यक्ति दिखा। संदिग्ध व्यक्ति का बैग चेक किया तो उसमें से कई सोने के बिस्किट बरामद हुए। जब्त सोने का वजन करीब दो किलो पाया गया।

औषधि निरीक्षक लाइसेंस जारी करने में व्यस्त, जांच का नहीं वक्त... ऐसे चल रहा है नकली दवाओं का कारोबार

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के ज्यादातर औषधि निरीक्षक मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस जारी करने तक ही सीमित हैं। उनके पास दवाओं की जांच के लिए वक्त ही नहीं है। यह जांच अभियान तभी शुरू होते हैं, जब किसी न किसी राज्य में कोई घटना हो जाती है। दबी जुबान से यह बात खुद औषधि निरीक्षक भी स्वीकार करते हैं।

प्रदेश में करीब एक लाख थोक और ढाई लाख से अधिक फुटकर दवा दुकानें एवं ब्लड बैंक हैं। हर साल इनमें करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है। औषधि निरीक्षकों के स्वीकृत 109 पदों में से 32 खाली चल रहे हैं। जिन जिलों में दो औषधि निरीक्षक के पद हैं, वहां कहीं एक हैं तो कहीं एक भी नहीं। 13 जिलों में दो-दो जिलों का कार्यभार है। औषधि निरीक्षकों की मानें तो उनका ज्यादातर वक्त सिर्फ लाइसेंस संबंधी कार्य पूरे करने में ही जाता है, क्योंकि लाइसेंस की निरंतर समीक्षा होती है। 15 दिन में यह कार्य पूरा नहीं किया तो जवाब देना पड़ता है।

लाइसेंस जारी करने से पहले स्थयील सत्यापन सहित अन्य प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है। ऐसे में दवाओं की जांच तभी कर पाते हैं, जब लाइसेंस से जुड़े कार्य कम होते हैं। हर जिले में चार से पांच तहसीलें हैं। करीब 100 किमी के दायरे में मेडिकल स्टोर हैं। ऐसे में अकेले सभी दुकानों तक पहुंचना नामुमकिन है। इसका फायदा मिलावट करने वाले और नकली दवा बनाने वाली

कंपनियां उठाती हैं। यही वजह है कि नकली दवाओं की खेप ज्यादातर ग्रामीण इलाके की दुकानों पर पहुंचाई जाती हैं।

खुद करनी होती है न्यायालय में पैरवी

औषधि निरीक्षकों की मानें तो उन्हें न्यायालय में पैरवी के लिए कोई अतिरिक्त स्टाफ नहीं मिला है। कोई पैरोकार नहीं होने की वजह से उन्हें न्यायालय से जुड़े कार्य भी देखने होते हैं। न्यायालयों में बेहतर पैरवी नहीं करने और सुबूत नहीं जुटा पाने की वजह से तमाम आरोपी छूट जाते हैं।

कफ सिरप के खिलाफ 2022 में भी चला था अभियान

अक्टूबर 2022 में हरियाणा के सोनीपत की कंपनी द्वारा बनाए जाने वाले कफ सिरप से अफ्रीकी देश गांबिया में कई बच्चों की मौत हो गई थी। उस वक्त इस कंपनी के चार बैच को प्रतिबंधित किया गया। पूरे प्रदेश में जांच अभियान चलाया गया। जब तक अभियान चला संबंधित कंपनी के सिरप प्रदेश में नहीं मिले। इसके बाद फिर से बिक्री शुरू हो गई।

ये है निरीक्षकों की जिम्मेदारी

ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट के तहत औषधि निरीक्षक दवा और कॉस्मेटिक के विनिर्माण, वितरण और विक्री की निगरानी करते हैं। उनके मुख्य कार्यों में विनिर्माण इकाइयों, प्रयोगशालाओं और फार्मेसियों का निरीक्षण करना, उत्पादों के नमूने लेना, लाइसेंस के अनुपालन की जांच करना, नकली या घटिया उत्पादों को रोकना और अधिनियम के उल्लंघन के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू करना शामिल है।

अन्य राज्यों की स्थिति

बिहार और राजस्थान में हर जिले में पांच से छह औषधि निरीक्षक होते हैं। ऐसे में वे एक से दो तहसील की जिम्मेदारी लेते हैं। दूसरे विभागों से भी स्टाफ मिल जाता है। ऐसे में वहां निरंतर जांच अभियान चलता रहता है। प्रदेश में दवा निर्माण इकाइयां, फुटकर मेडिकल स्टोर और ब्लड बैंकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ड्रग निरीक्षक के पद कई साल पहले स्वीकृत किए गए। तमाम पद अभी भी खाली हैं। ऐसे में निगरानी तंत्र मजबूत नहीं है। निगरानी बढ़ाने के लिए मानव संसाधन बढ़ाना होगा। सिर्फ एक निरीक्षक के भरोसे पूरे जिले की निगरानी संभव नहीं है। रमाशंकर, पूर्व सहायक आयुक्त, औषधि।

दीक्षांत समारोह 15 अक्तूबर को, बीए की छात्रा नेहा को मिलेगा कुलाधिपति पदक, इन्हें भी मिलेंगे मेडल

अलीगढ़ , एजेंसी। राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 47 मेधावियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। इनमें 36 छात्राएं और 11 छात्र शामिल हैं। मेधावियों के नामों पर श्रेष्ठता सूची समिति ने अंतिम मुहर लगा दी है। 15 अक्तूबर को दीक्षांत समारोह में बीए की छात्रा नेहा को कुलाधिपति पदक मिलेगा। यह पदक राज्यपाल प्रदान करेंगी। मुख्य अतिथि आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत होंगे।

विवि के परीक्षा नियंत्रक धीरेंद्र कुमार ने बताया कि बी.कॉम वोकेशनल में रिंकी, बीपीएड में जितेंद्र यादव, नाजरीन, बीएससी (वोक.) जैव प्रौद्योगिकी में पारुल सिंह, बीएससी (वोक.) कंप्यूटर एप्लीकेशन में तनिष्का सक्सेना, बीएससी जैव प्रौद्योगिकी में तूलिका वार्ष्णेय, बीएससी एजी. (ऑनर्स) में रजनी यादव, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में प्रियंका, बीए में नेहा को स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। बीबीए में अक्षिता जैन, बी.कॉम में मोहिनी गुप्ता, बीसीए में शिल्पी चौहान, बीएड में उज्ज्वल शर्मा, बीएफए में नेहा वार्ष्णेय, बीपीईएस में नरेंद्र कुमार, बीएससी में दिशा, एलएलबी में साक्षी शर्मा, एलएलएम में हिमांशु सक्सेना, एमए (संगीत वाद्य यंत्र तबला) सृष्टि कौशिक को पदक मिलेगा।

एमए (रक्षा एवं सामरिक अध्ययन) में दीक्षा शर्मा, एमए (ड्राइंग एवं पेंटिंग) में माधुरी, एमए-अर्थशास्त्र में गौरव पाराशर, एमए-शिक्षा में गरिमा परमार, एमए-अंग्रेजी में हिमांशी जादौन, एमए-भूगोल में शोभित शर्मा, एमए- हिंदी पूनम पाल, एमए-इतिहास में नीरज वार्ष्णेय, एमए- गृह विज्ञान में मिथलेश वर्मा, एमए- राजनीति विज्ञान में रमन कुमार, एमए- मनोविज्ञान में आकाश नागर, एमए- संस्कृत में विदुषी द्विवेदी का चयन हुआ है।

दिवाली से पहले लगने वाले स्वदेशी मेले हस्तशिल्पियों को देंगे 1500 करोड़ का बाजार, 18 अक्टूबर तक आयोजन

लखनऊ , एजेंसी। नौ से 18 अक्तूबर तक प्रदेश के हर जिले में लगने वाले स्वदेशी मेले दिवाली से पहले हस्तशिल्पियों को कम से कम 1500 करोड़ का बाजार देंगे। प्रत्येक जिले में लगने वाले इन मेले में छोटे हस्तशिल्पियों, महिलाओं और लघु उद्यमियों को बड़ा मंच मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को गोरखपुर से स्वदेशी मेलों का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। सभी मंत्रियों को स्वदेशी मेले की जिम्मेदारी दी गई है। इन मेलों का मुख्य उद्देश्य दिवाली के बाजार को चीनी उत्पादों से मुक्त करना है।

स्वदेशी मेले का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देना, उद्योगों को बढ़ावा देना और वोकल फॉर लोकल के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है। दस दिवसीय स्वदेशी मेलों का आयोजन शहर के व्यवसायिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण और उपयुक्त

स्थलों पर किया जा रहा है, ताकि आम जनता सुगमता से पहुंच सके और सक्रिय रूप से सहभागिता कर सके।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 के अंतर्गत जनपद स्तर पर स्वदेशी मेलों के आयोजन के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। आयोजन के दौरान जनपद के प्रभारी मंत्री समेत अन्य जनपद प्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया गया है। प्रत्येक जनपद के उपायुक्त उद्योग नोडल अधिकारी के रूप में मेले की व्यवस्था देखेंगे और जिलाधिकारी से मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे। वहीं स्वदेशी मेले को जीएसटी बचत उत्सव के रूप में भी मनाया जा रहा है।

उपलब्ध कराए गए निशुल्क स्टॉल- स्वदेशी मेला में उद्योग विभाग, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, माटी कला बोर्ड, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग, रेशम विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, सीएम युवा, ओडीओपी, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, पीएमईजीपी, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के लाभार्थियों, वित्त पोषित इकाईयों, स्वयं सहायता समूहों और अन्य उत्पादकों को निशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए गए हैं। मेले में वस्तुओं एवं सेवाओं के क्रय के लिए जेम पोर्टल का उपयोग अनिवार्य रूप से किया गया है।

स्थानीय कारीगरों को मिलेगा मंच इन मेलों में स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों, हस्तशिल्पियों और ग्रामीण उद्योगों को अपनी कला और उत्पाद प्रदर्शित करने का मंच मिलेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में सजने वाले ये मेले दिवाली से पहले वोकल फॉर लोकल अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देंगे, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों अर्थव्यवस्थाओं को नई दिशा मिलेगी।

मेडिकल कॉलेज में इलाज के इंतजार में दो घंटे धूप में बैठी रही प्रसूता, चली गई जान

बहराइच , एजेंसी। राजकीय मेडिकल कॉलेज की महिला विंग में बृहस्पतिवार को इलाज में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। बीमार भाभी को भर्ती कराने के लिए ननद करीब दो घंटे तक अस्पताल में भटकती रही, लेकिन इलाज शुरू नहीं हो सका। प्रसूता ने धूप में बैठे-बैठे दम तोड़ दिया। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही और संवेदनहीनता का आरोप लगाया है।

फखरपुर के गेंदौरा गांव निवासी मनोज सिंह की पत्नी नीतू सिंह (35) को 13 दिन पहले बेटी हुई थी। प्रसव के बाद से ही नीतू की तबीयत खराब चल रही थी। बृहस्पतिवार सुबह ननद मंजू इलाज के लिए उन्हें लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज की महिला विंग पहुंचीं। मंजू ने बताया कि कमरा नंबर 105 में तैनात डॉ. मेघा ने जांच के बाद दवा लिखी और भर्ती कराने की सलाह दी। इसके बाद मंजू भर्ती

प्रक्रिया के लिए काउंटर पर गईं और भाभी को बाहर धूप में बैठा दिया।

मंजू के मुताबिक, काउंटर पर कर्मचारियों ने पहले बेड न होने का हवाला दिया, फिर उन्हें एक से दूसरी जगह भेजते रहे। करीब दो घंटे तक कोई व्यवस्था नहीं की गई। आखिर में कर्मचारियों ने कहा इमरजेंसी में ले जाइए, वहीं भर्ती होगी, लेकिन जब मंजू लौटकर आई, तो देखा कि भाभी की सांसें थम चुकी थीं।

समय पर इलाज मिलता तो बच जाती जान- मंजू सिंह ने कहा कि अगर समय पर भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया गया होता, तो भाभी की जान बच सकती थी। घटना के बाद महिला विंग में अफरातफरी मच गई। परिजन रो-रोकर अस्पताल प्रशासन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे।

त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का संशोधित पुनरीक्षण जारी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव रंजन द्वारा जिले में त्रिश्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिए संशोधित समय सारणी जारी की गई।

डीईओ ने बताया कि वर्तमान में पुनरीक्षण कार्यक्रम संचालित है जिसके तहत 13 अक्टूबर तक निर्वाचक गणना पत्रक के आधार पर परिवर्धन, संशोधन एवं विलोपन की तैयार हश्तलिखित पाण्डुलिपि सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा की जाएगी। 14 अक्टूबर से 24 नवम्बर तक ड्राफ्ट नामावलियों की कम्प्यूटरीकृत पाण्डुलिपि तैयार की जाएगी। 25 नवम्बर से 04 दिसम्बर तक निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र, मतदेय स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग, मतदाता सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियाँ तैयार की जाएंगी। 05 दिसम्बर 2025 को अनन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 06 दिसम्बर से 12 दिसम्बर तक आलेख्य के रूप में प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची का निरीक्षण किया जाएगा और 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी निर्वाचकों के भी आवेदन के साथ ही अन्य दावे एवं आपत्तियाँ प्राप्त की जाएंगी। 13 दिसम्बर से 19 दिसम्बर तक सभी दावे एवं आपत्तियों का निश्तारण किया जाएगा।

20 दिसम्बर से 23 दिसम्बर तक दावे एवं आपत्तियों के निश्तारण के उपरान्त हश्तलिखित पाण्डुलिपियाँ तैयार कर सहायक निर्वाचक अधिकारी के कार्यालय में जमा की जाएगी।

24 दिसम्बर 2025 से 08 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियों के निश्तारण के उपरान्त पूरक सूचियों का कम्प्यूटरीकरण कर उन्हें मूल सूची में यथास्थल समाहित किया जाएगा।

09 जनवरी 2026 से 14 जनवरी 2026 तक पूरक सूचियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र व मतदेय स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग, मतदाता सूची की डाउनलोडिंग व फोटोप्रतियाँ तैयार की जाएंगी। 15 जनवरी 2026 को निर्वाचक नामावलियों का जन सामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन किया जाएगा।

डीईओ ने स्पष्ट किया कि निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेंगे और निर्धारित समय सारिणी के अनुसार निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण कराया जायेगा, किसी भी परिस्थिति में समय सीमा नहीं बढ़ायी जायेगी।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय: राज्यपाल की नाराजगी के बाद हटाए गए चीफ प्रॉक्टर, कैंपस में नशीले पदार्थों पर रोक

जौनपुर , एजेंसी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल द्वारा परिसर में व्याप्त अव्यवस्था पर सवाल उठाए जाने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन हरकत में आ गया है। बृहस्पतिवार को चीफ प्रॉक्टर डॉ. राजकुमार सोनी को पद से हटा दिया गया। वहीं परिसर में अब पान, गुटखा, तंबाकू, बीड़ी सहित सभी प्रकार के नशीले पदार्थों के सेवन पर रोक लगा दी गई है। इस संबंध में पत्र भी जारी किया गया है।

पूविवि के दीक्षांत समारोह के दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मंच से ही विदेशी शराब की बोतल मिलने की घटना पर सवाल उठाया था। उन्होंने इसे विश्वविद्यालय की छवि पर दाग बताते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। उसी के बाद से प्रशासनिक स्तर पर फेरबदल और जांच की प्रक्रिया जारी है। इस बीच बृहस्पतिवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने चीफ प्रॉक्टर डॉ. राजकुमार सोनी के स्थान पर व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के प्रो. अजय प्रताप सिंह को नया चीफ प्रॉक्टर बनाया है। इसके साथ ही प्रो. रजनीश भास्कर (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग) और प्रो. प्रदीप कुमार (बायोटेक्नोलॉजी विभाग) को एडिशनल चीफ प्रॉक्टर के रूप में तैनात किया है।

उधर, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने पत्र जारी कर कहा है कि विश्वविद्यालय में गुटखा, पान, बीड़ी, तम्बाकू आदि धूम्रपान का प्रयोग करते हुए मिलने पर संबंधित कर्मचारी या अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

परीक्षा नियंत्रक ने सभी अनुभागों के प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने विभागों में सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही सभी आलमारियों और फाइलों को सुव्यवस्थित रखने का भी निर्देश दिया है। उन्होंने कार्यालय में वातावरण स्वच्छ, अनुशासित और कार्य के अनुकूल बनाए रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है।

उधर, कुलपति ने एक दिन पहले वार्डन और चीफ वार्डन को बदल दिया था। साथ ही जांच समिति भी गठित की थी। तीन सदस्यीय जांच समिति में चीफ प्रॉक्टर डॉ. राजकुमार सोनी भी सदस्य थे। जिन्हें अब पद से हटा दिया गया है। वहीं, दीक्षांत समारोह के दौरान विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर इलेक्ट्रिशियन धीरज श्रीवास्तव को हटा दिया था। उधर, छात्र संगठनों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर आरोप लगाते हुए जांच समिति की निष्पक्षता पर सवाल उठाया है।

छात्र नेताओं ने आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई है। छात्रों के मुताबिक जांच समिति में उन्हीं लोगों को शामिल किया गया है, जिन पर पहले से ही वार्डन रहने के दौरान गड़बड़ी के आरोप लग चुके हैं। छात्र नेता मंगलम त्यागी, अभिषेक दुबे और दिव्यांशु सिंह ने कहा है कि यदि दागी प्रोफेसर ही अपने खिलाफ जांच करेंगे तो निष्पक्ष रिपोर्ट आने की उम्मीद नहीं की जा सकती है।

छात्रों का आरोप है कि ट्रांजिट हॉस्टल में विदेशी शराब मिलने के अलावा सफाई, भोजन और छात्रों से अभद्र व्यवहार आदि मामलों की शिकायतें पहले भी की गई थीं। उस समय भी कुछ वार्डन पर कार्रवाई की गई थी, लेकिन अब उन्हीं लोगों को फिर से जिम्मेदारी दी जा रही है। इससे विश्वविद्यालय प्रशासन की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन को चाहिए कि ऐसे लोगों को जांच से दूर रखकर स्वतंत्र जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह का कहना है कि चीफ प्रॉक्टर डॉ. राजकुमार सोनी को उनके पद से हटा दिया गया है। छात्रों ने जो आरोप लगाया है उस पर भी विचार किया जाएगा।

महिला को खुद के ही बाल खाने की भयानक बीमारी, ऑपरेशन में पेट से निकला इतना बड़ा गुच्छा; डॉक्टर भी हैरान

आगरा, एजेंसी। ट्राइकोफैगिया ऐसी मानसिक बीमारी है, जिसमें मरीज खुद के ही बाल नोंचकर खाता है। ऐसी ही बीमारी से ग्रसित यमुनापार की 62 साल की महिला के 50 साल से बाल खाने से पेट में गुच्छा बन गया। इससे आंतों में रुकावट होने लगी। हालत गंभीर होने पर साकेत कॉलोनी स्थित नवदीप हॉस्पिटल में इसका ऑपरेशन कर 760 ग्राम बाल निकाले हैं। आगरा सर्जंस एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष और अस्पताल निदेशक डॉ. सुनील शर्मा ने बताया कि 35 साल पहले भी ये महिला नवदीप हॉस्पिटल में भर्ती हुई थी। तब इसकी उम्र 27 साल थी। उस वक्त इसके पेट से करीब 200 ग्राम बाल निकाले थे। सर्जरी करने के बाद इनके परिजन को मानसिक रोग विशेषज्ञ से इलाज कराने के लिए कहा था। परिजन ने इस पर ध्यान नहीं दिया। 6 अक्तूबर को पेट दर्द, उल्टी होने की समस्या पर भर्ती कराया। एंडोस्कॉपी से पता चला कि आंत ब्लॉक हो गई थीं। इससे मरीज की हालत बिगड़ गई। सर्जरी कर 760 ग्राम बाल निकाले हैं। अब मरीज की हालत ठीक है। मानसिक स्वास्थ्य संस्थान एवं चिकित्सालय के निर्देश प्रो. दिनेश राठौर ने बताया कि ट्राइकोफेजिया या रैपंजेल सिंड्रोम कहते हैं। इसमें बाल तोड़ने का आवेग आता है। बीमारी के चलते मरीज का मस्तिष्क पर नियंत्रण नहीं होता। ऐसा नहीं करने पर बेचैनी होने लगती है। ऐसे में बाल तोड़कर ही उसका आवेग शांत होता है। कई मरीज इसमें बाल खा भी लेते हैं। इलाज और काउंसलिंग से मर्ज ठीक हो जाता है।

शिवम दुबे का तूफानी शो, 62 गेंदों में शतक, एक ओवर में जड़े 4 छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे इन दिनों जबरदस्त फॉर्म में हैं. एशिया कप में भारत को खिताबी जीत दिलाने के बाद अब उन्होंने घरेलू क्रिकेट में भी बल्ले से कहर बरपा दिया है. पुणे में खेले गए मुंबई और महाराष्ट्र के बीच प्रैक्टिस मैच में दुबे ने ऐसा तूफानी प्रदर्शन किया कि गेंदबाजों के होश उड़ गए.

62 गेंदों में शतक, 9 छक्के और 5 चौके : मुंबई की ओर से खेलते हुए शिवम दुबे ने सिर्फ 62 गेंदों पर शतक ठोक दिया. उनकी पारी में 9 छक्के और 5 चौके शामिल रहे. जिस अंदाज में उन्होंने बल्लेबाजी की,विपक्षी टीम पूरी तरह बैकफुट पर आ गई. सबसे खास पल तब आया जब उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर हितेश वालुंज के एक ही ओवर में लगातार चार छक्के जड़ दिए. दुबे उस वक्त क्रीज पर आए जब मुंबई की टीम शुरुआती दो विकेट गंवाकर दबाव में थी. कप्तान हार्दिक तामोरे भी 24 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे. ऐसे में दुबे ने मोर्चा संभाला और 160 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए.

पृथ्वी शॉ ने जड़ा 181 रन, लेकिन विवाद में फंसे: इस मुकाबले में महाराष्ट्र की ओर से पृथ्वी शॉ ने भी बल्ले से आग उगली और शानदार 181 रन बनाए. हालांकि उनकी यह पारी बाद में विवादों में घिर गई. दरअसल, मैच के दौरान उनका झगड़ा मुंबई के खिलाड़ी मुशीर खान (सरफराज खान के छोटे भाई) से हो गया. जानकारी के मुताबिक, पृथ्वी शॉ आउट होने के बाद गुस्से में आ गए और उन्होंने मुशीर की ओर बैट उठाकर दौड़ लगा दी. मैदान पर माहौल गरम हो गया और दोनों खिलाड़ियों के बीच बहस बढ़ने लगी. अंपायर और टीम मैनेजमेंट ने बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया. इस घटना की जांच अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिलीप वेंगसरकर को सौंपी गई है.

रणजी से पहले मिला चेतावनी का संदेश: रणजी ट्रॉफी शुरू होने से पहले खेला गया यह तीन दिवसीय अभ्यास मैच कई मायनों में चर्चा में रहा. एक तरफ शिवम दुबे की तूफानी बल्लेबाजी ने सभी का ध्यान खींचा, तो दूसरी ओर पृथ्वी शॉ के आक्रामक रवैये ने निराश किया. शिवम का ये फॉर्म भारतीय टीम के लिए बड़ा संकेत है कि ये ऑलराउंडर आने वाले सीजन में भी मैच जिताऊ खिलाड़ी साबित हो सकते हैं.

कास्परोव ने आनंद पर शुरुआती बढ़त बनाई

तीसरी बाजी में भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी को हराया

सेंट लुइस, एजेंसी। शतरंज के इतिहास के संभवत- सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कास्परोव ने 62 साल की उम्र में दिखाया कि 21 साल पहले संन्यास लेने के बावजूद उनमें अब भी काफी शतरंज बचा है। आनंद को भी मौके मिले लेकिन वह उनका फायदा उठाने में नाकाम रहे। भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद को क्लच शतरंज टूर्नामेंट की तीसरी बाजी में गैरी कास्परोव से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह महान खिलाड़ियों के बीच खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में कास्परोव ने 2.5-1.5 की बढ़त बना ली। शतरंज के इतिहास के संभवत- सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कास्परोव ने 62 साल की उम्र में दिखाया कि 21 साल पहले संन्यास लेने के बावजूद उनमें अब भी काफी शतरंज बचा है। आनंद को भी मौके मिले लेकिन वह उनका फायदा उठाने में नाकाम रहे। शतरंज 960 प्रारूप के तहत रोजाना दो रैपिड और दो ब्लिट्ज मुकाबले होने हैं। दिन की शुरुआती दो बाजी ड्रॉ रहीं जिसके बाद कास्परोव ने तीसरी बाजी में आनंद को हराया। आनंद के पास बाजी को ड्रॉ कराने का मौका था लेकिन वह चूक गए।

इंडिया-वेस्टइंडीज टेस्ट

यशस्वी जयसवाल ने टेस्ट में ठोका सातवां शतक, शुभमन गिल और रवि शास्त्री का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने शुक्रवार को दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में अपने टेस्ट करियर का सातवां टेस्ट शतक लगाया। इस शतक के साथ उन्होंने शुभमन गिल और रवि शास्त्री का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है जबकि एलेस्टेयर कुक और जावेद मियांदाद की एलीट लिस्ट में शामिल हो गए हैं। यहां यशस्वी ने खारी पियरे की पहली गेंद पर दो रन लेकर अपना सातवां शतक पूरा किया। उन्होंने 145 गेंदों में 16 चौके लगाते हुए अपना शतक बनाया। जायसवाल का सातवां टेस्ट शतक 24 साल की उम्र से पहले आया, केवल तीन खिलाड़ियों ने इससे अधिक शतक बनाए है। इस उम्र में ऑस्ट्रेलिया के डॉन ब्रैडमैन ने (12) शतक, सचिन तेंदुलकर ने (11) शतक, और गारफील्ड सोबर्स ने (9) शतक बनाने वालों में है। अब वह जावेद मियांदाद, ग्रीम स्मिथ, एलेस्टियर कुक और केन विलियमसन के साथ सात-सात शतक लगाने वाले क्लब में शामिल हो गए है।

● 23 साल की उम्र में सबसे ज़्यादा टेस्ट शतक

12 - डोनाल्ड ब्रैडमैन (ऑस्ट्रेलिया), 26 पारियों में
11 - सचिन तेंदुलकर (भारत), 80 पारियों में
9 - गैरी सोबर्स (वेस्टइंडीज), 54 पारियों में
7 - यशस्वी जायसवाल (भारत), एलेस्टेयर कुक (इंग्लैंड), जावेद मियांदाद (पाकिस्तान), ग्रीम स्मिथ (दक्षिण अफ्रीका), केन विलियमसन (न्यूज़ीलैंड)

● 23 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज़्यादा शतक

22 - सचिन तेंदुलकर (220 पारियां)
15 - विराट कोहली (119 पारियां)
8 - यशस्वी जायसवाल (71 पारियां)*
7 - रवि शास्त्री (110 पारी)
7 - शुभमन गिल (73 पारी)

फीफा 2026 विश्व कप क्वालीफायर:

स्कॉटलैंड, नीदरलैंड्स और डेनमार्क का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। फीफा 2026 विश्व कप क्वालीफायर में स्कॉटलैंड ने ग्रीस पर 3-1 से शानदार जीत दर्ज करते हुए अपनी संभावनाओं को मजबूत किया है। वहीं, नीदरलैंड्स, डेनमार्क और ऑस्ट्रिया ने अपने प्रदर्शन से फैंस को प्रभावित किया। ग्रुप-सी के मुकाबले में हैम्पडेन पार्क में अपने पिछले दौरे में 3-0 से जीत हासिल करने वाली ग्रीस की टीम ने इस मैच में भी शानदार शुरुआत की। कोस्टास सिमिकास ने 62वें मिनट में गोल करते हुए ग्रीस को 1-0 से बढ़त दिलाई। हालांकि, ग्रीस की खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिक पाई। स्कॉटलैंड की ओर से रयान क्रिस्टी ने दो मिनट बाद (64वें मिनट) ही नजदीकी रेंज से गोल दागा। लुईस फर्ग्यूसन ने 80वें मिनट में गोल करते हुए स्कॉटलैंड को 2-1 से बढ़त दिला दी।

ग्रुप-सी के एक अन्य मैच में रासमस होजलुंड ने दो गोल दागकर डेनमार्क को हंगरी के खिलाफ 6-0 से जीत दिलाई। इसी के साथ जर्मनी ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि स्कॉटलैंड, ग्रीस और बेलारूस क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे पायदान पर मौजूद हैं। ग्रुप-जी में नीदरलैंड्स ने माल्टा को 4-0 से हराया। इस मुकाबले में कोडी गाकपो ने 12वें और 48वें मिनट में गोल दागे। विपक्षी टीम एक अदद गोल के लिए तरसती रह गई। नीदरलैंड की टीम इस ग्रुप में शीर्ष पर है। ग्रुप-एच में ऑस्ट्रिया ने सैन मैरिनो पर 10-0 से बड़ी जीत दर्ज की। इस मुकाबले में मार्को अर्नौटोविक ने चार (8वें मिनट, 47वें मिनट, 83वें और 84वें मिनट) गोल दागे। इसी के साथ मार्को अर्नौटोविक ऑस्ट्रिया के सर्वकालिक रिकॉर्ड स्कोरर बन गए हैं। मार्को ने इस देश के लिए 45 गोल दागे हैं। वह टोनी पोलस्टर से एक कदम आगे हैं। ग्रुप-एच में ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर मौजूद है, जबकि सैन मैरिनो पांचवें पायदान पर है। इस ग्रुप में बोस्निया एंड हर्जेगोविना दूसरे, रोमानिया तीसरे और साइप्रस चौथे स्थान पर मौजूद हैं।

डब्ल्यूपीएल में पहली बार मेगा ऑक्शन, 5 प्लेयर्स रिटेन होंगे

● हर फ्रेंचाइजी के पास 15 करोड़ का बजट, राइट-टु-मैच कार्ड भी मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। विमेंस प्रीमियर लीग में पहली बार मेगा ऑक्शन होगा। ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी टीमें 5 प्लेयर्स को रिटेन कर सकेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खिलाड़ियों को रिटेन करने की आखिरी तारिख 5 नवंबर है, जिसकी जानकारी टीमों को दे दी गई है। जबकि ऑक्शन की प्रक्रिया 25 से 29 नवंबर के बीच हो सकती है। गुरुवार को डब्ल्यूपीएल ने सभी फ्रेंचाइजी को एक ईमेल भेजे। इसमें कहा कि हर टीम ज्यादा से ज्यादा तीन कैप्ड भारतीय, दो विदेशी और दो अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी रिटेन कर सकती है। अगर कोई फ्रेंचाइजी पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उनमें कम से कम एक अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी होना अनिवार्य है। हर फ्रेंचाइजी के पास 15 करोड़ रुपए का बजट ऑक्शन के लिए हर फ्रेंचाइजी के पास 15 करोड़ रुपए का पर्स है। वहीं, रिटेंशन स्लैब्स के लिए गाइडलाइन भी जारी की हैं। अगर कोई फ्रेंचाइजी पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसकी पर्स से 9.25 करोड़ रुपए काटे जाएंगे। चार खिलाड़ियों के लिए 8.75 करोड़ रुपए, तीन के लिए 7.75 करोड़ रुपए, दो के लिए 6 करोड़ रुपए और एक के लिए 3.5 करोड़ रुपए घटाए जाएंगे।

बज गया आईपीएल 2026 का बिगुल

● दिसंबर के दूसरे हफ्ते में नीलामी की संभावना, 15 नवंबर तक तय करनी होगी रिटेंशन लिस्ट

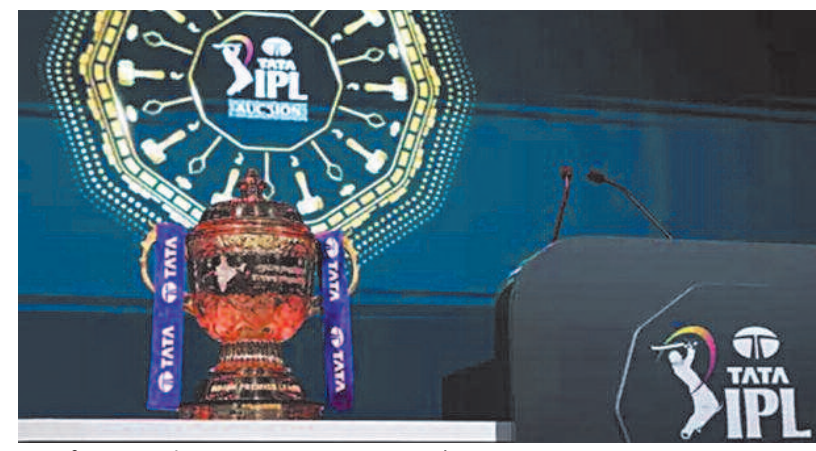

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की नीलामी दिसंबर 2025 के दूसरे या तीसरे हफ्ते में होने की संभावना है। अभी इसकी संभावित तारीखें 13 से 15 दिसंबर बताई जा रही हैं। सूत्रों के अनुसार, फ्रेंचाइजी पदाधिकारियों ने बीसीसीआई से हुई बातचीत में इन तारीखों पर चर्चा की है। हालांकि, लीग की गवर्निंग काउंसिल ने अब तक शेड्यूल पर अंतिम फैसला नहीं लिया है।

इस बार नीलामी भारत में होने की उम्मीद

रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इस बार नीलामी भारत में कराने के मूड में है। फ्रेंचाइजियों का भी यही मानना है कि मिनी ऑक्शन देश में ही हो। पिछले दो साल नीलामी विदेश (2023 में दुबई और 2024 में सऊदी अरब के जेद्दा) में हुई थी।

15 नवंबर तक तय करनी होगी रिटेंशन लिस्ट

फ्रेंचाइजियों के पास खिलाड़ियों की रिटेंशन लिस्ट सौंपने के लिए 15 नवंबर तक का समय है। इस तारीख तक हर टीम को बताना होगा कि किन खिलाड़ियों को रखना है और किन्हें रिलीज करना है। बड़े बदलाव की उम्मीद ज्यादा नहीं है, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स ऐसी दो टीमें हैं जो पिछले सीजन के खराब प्रदर्शन के बाद बड़ा फेरबदल कर सकती हैं।

कैमरन ग्रीन हो सकते हैं सबसे हॉट खिलाड़ी

इस बार की नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन के सबसे चर्चित रहने की संभावना है। चोट की वजह से वह पिछली नीलामी से बाहर रहे थे, लेकिन इस बार कई टीमें उन्हें अपने पाले में लेने के लिए तैयार हैं।

दिसंबर 2025 में फिर बढ़ेगा रोमांच

आईपीएल 2026 की मिनी नीलामी भले छोटी हो, लेकिन इसमें कई बड़े नामों की किस्मत बदल सकती है।

बीसीसीआई की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है, लेकिन इतना तय है कि दिसंबर का महीना फिर क्रिकेट फैंस के लिए रोमांच से भरा रहने वाला है।

IPL 2026 से पहले सीएसके में होगा बड़ा बदलाव, इन 5 खिलाड़ियों को रिलीज करेगी पांच बार की चैम्पियन टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था. पांच बार की आईपीएल चैम्पियन टीम सीएसके ने 14 में से केवल 4 मुकाबले जीते थे और वो अंकतालिका में आखिरी स्थान पर रही थी. टीम मैनेजमेंट अब आईपीएल 2026 से पहले बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है. रिपोर्ट के मुताबिक चेन्नई सुपर किंग्स की टीम आईपीएल 2026 के लिए मिनी ऑक्शन से पहले पांच खिलाड़ियों को रिलीज कर सकती है. जिन खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया जा सकता है- उनमें सैम करन (इंग्लैंड), डेवोन कॉन्वे (न्यूजीलैंड), दीपक हुड्डा, विजय शंकर और राहुल त्रिपाठी शामिल हैं. टीम के बेहद खराब प्रदर्शन के चलते इन खिलाड़ियों को रिलीज करने की नौबत आई है. आईपीएल 2025 में ऋतुराज गायकवाड़ की चोट ने भी चेन्नई सुपर किंग्स की मुश्किलों में इजाफा किया था. ऋतुराज के बाहर होने के बाद एमएस धोनी ने टीम की कमान संभाली, लेकिन वो भी टीम की किस्मत नहीं बदल सके. अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा करने की रणनीति इस बार उलटी पड़ गई.

इस मामले में फिसड्डी रही सीएसके

टॉप ऑर्डर के खराब प्रदर्शन ने चेन्नई सुपर किंग्स की मुश्किलें काफी बढ़ाई. डेवोन कॉन्वे, दीपक हुड्डा, विजय शंकर और राहुल त्रिपाठी का फॉर्म लगातार गिरता गया. आईपीएल 2025 में सीएसके के बल्लेबाजों ने 138.29 के स्ट्राइक रेट से 2315 रन बनाए, जो पिछले सीजन में किसी टीम का सबसे कम स्ट्राइक रेट था. इसके अलावा सीएसके ने पावरप्ले में सबसे कम रन (693) बनाए, साथ ही 29 विकेट गंवाए.

रणजी ट्रॉफी:

दिल्ली ने किया टीम का ऐलान, बडोनी करेंगे कप्तानी, नीतीश राणा की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ने हैदराबाद के खिलाफ 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के लिए शुक्रवार को 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें आयुष बडोनी को कप्तान और यश ढुल को उपकप्तान नियुक्त किया गया है।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ की चयन समिति ने नितीश राणा को भी टीम में शामिल किया है। राणा उत्तर प्रदेश के साथ कुछ समय तक खेलने के बाद दिल्ली की टीम में वापस आ गए हैं। DDCA सचिव अशोक शर्मा ने बताया, 'चयनकर्ताओं ने 24 खिलाड़ियों को इसलिए चुना है क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे प्रत्येक मैच में चयन के लिए एक बड़ा पूल हमेशा उपलब्ध रहता है। जब हम दिल्ली में घरेलू मैच खेलेंगे, तो हम इसे घटाकर 15 कर देंगे। राणा की वापसी पर शर्मा ने कहा, 'वह एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और चयनकर्ता उन्हें परखना चाहते थे।

अगले मैच में हम ऋषभ पंत के खेलने की उम्मीद कर रहे हैं। बैठक में चयनकर्ता यशपाल सिंह, के भास्कर पिल्लई और मनु नायर के साथ-साथ मुख्य कोच सरनदीप सिंह, सीएसी सदस्य सुरिंदर खन्ना और डीडीसीए के अधिकारी अशोक शर्मा (सचिव) और अमित ग्रोवर (संयुक्त सचिव) भी शामिल हुए।

दिल्ली टीमः

आयुष बडोनी (कप्तान), यश ढुल (उप-कप्तान), अर्पित राणा, सनत सांगवान, अनुज रावत (विकेटकीपर), सुमित माथुर, शिवम शर्मा, रौनक वाघेला, नवदीप सैनी, सिमरजीत सिंह, मनी ग्रेवाल, सिद्धांत शर्मा, ध्रुव कौशिक, प्रणव राजवंशी (विकेटकीपर), नीतीश राणा, हिम्मत सिंह, आयुष दोसेजा, राहुल डागर, रितिक शौकीन, प्रियांश आर्य, तेजस्वी (विकेटकीपर), वैभव कांडपाल, रोहन राणा, आर्यन राणा (फिटनेस हासिल करने पर)।

महिला विश्व कपः

ऋचा घोष पर भारी पड़ी नादिन डी क्लर्क की पारी, दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 3 विकेट से हराया

विशाखापत्तनम, एजेंसी। महिला विश्व कप 2025 के बेहद अहम मुकाबले में भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम द्वारा दिए 252 रन के लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीका ने 48.5 ओवर में 7 विकेट खोकर हासिल कर लिया। 252 का लक्ष्य हासिल करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान लौरा वोल्वार्ट के 111 गेंद पर 70, नादिन डी क्लर्क के 54 गेंद पर नाबाद 84, और क्लो ट्रायोन के 66 गेंद पर 49 रन की पारी की मदद से 48.5 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 252 रन बनाकर मैच जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका एक समय 142 पर 6 विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। इस समय मैच भारत की तरफ मुड़ता हुआ दिख रहा था। लेकिन ट्रायोन और क्लर्क ने सातवें विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी कर भारतीय टीम की जीत के मंसूबे पर पानी फेर दिया। क्लार्क ने 54 गेंद पर खेली 84 रन की नाबाद पारी में 5 छक्के और 8 चौके लगाए। इससे पहले एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 251 रन बनाए थे। भारतीय टीम को प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने गंभीर शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 55 रन जोड़े। मंधाना 23 रन बनाकर आउट हुईं। प्रतिका भी 37 रन बनाकर आउट हुईं।